# दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 340 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

शनिवार 03 जनवरी 2026 डाक- रविवार 04 जनवरी 2026

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com



इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद

अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा

फोन-222833,222733


## प्रथमेश

देश का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार! पूर्व मेयर को सुनाई मौत की सजा, घर से बरामद हुआ था 13 हजार किलो सोना और 3400 करोड़ रुपए

बीजिंग,03 जनवरी (एजेंसी)। चीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही सख्त मुहिम के तहत एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया को चौंका दिया है। चीन के हाइहौ शहर के पूर्व मेयर झांग छी को बड़े भ्रष्टाचार मामले में दोषी पाए जाने के बाद मौत की सजा सुनाई गई है। जांच के दौरान उसके घर से जो कुछ बरामद हुआ, उसने सभी को हैरान कर दिया। जब जांच एजेंसियों ने पूर्व मेयर के अपार्टमेंट पर छापा मारा तो वहां से करीब 13,500 किलोग्राम सोना और लगभग 3,400 करोड़ भारतीय रुपये के बराबर युआन नकद बरामद किए गए। इतनी बड़ी मात्रा में नकदी और सोना किसी सरकारी अधिकारी के घर से मिलना चीन के इतिहास में बेहद दुर्लभ माना जा रहा है। इसके अलावा, चीन और विदेशों में स्थित उसकी लग्जरी रियल एस्टेट संपत्तियां और महंगी कारों का कलेक्शन भी जब्त किया गया। जांच में सामने आया कि वर्ष 2009 से 2019 के बीच झांग छी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए सरकारी ठेके दिलाने और जमीन से जुड़े सौदों को मंजूरी देने के बदले योजनाबद्ध तरीके से रिश्वत ली। इस दौरान उसने अवैध रूप से सैकड़ों अरब रुपये की संपत्ति जमा की। अदालत ने झांग छी को सरकारी धन के गबन, पद के दुरुपयोग और गंभीर भ्रष्टाचार का दोषी ठहराया। फैसले में कहा गया कि उसने जनता के भरोसे को तोड़ा और राज्य को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया। इन्हीं आधारों पर उसे मौत की सजा सुनाई गई। इस मामले को चीन के इतिहास के सबसे विवादास्पद भ्रष्टाचार विरोधी मामलों में से एक माना जा रहा है।

## वाह वाह

००० काका को रात में 12 बजे एक लड़की का फोन आता है...!

काका- हेलो कौन...?

लड़की- हम तेरे बिन अब रह नहीं सकते, तेरे बिना क्या वजूद मेरा...!

काका (खुश होकर) - कौन हैं आप...?

लड़की- तुझसे जुदा अगर हो जायेंगे तो खुद से भी हो जाएंगे जुदा..!

खुशी के मारे काका की आंखों में पानी आ गया, वो बोले- तुम सच में मुझसे शादी करोगी...?

लड़की- इस गाने को अपनी कॉलर ट्यून बनाने के लिए 8 दबाएं...!

# एएसपी गिरपुंजे की शहादत का बदला पूरा, जवानों ने मुठभेड़ में मारे एरिया कमेटी सचिव सहित 12 माओवादी

सुकमा,03 जनवरी (एजेंसी)। जिले के अंतिम छोर पर बसा कोंटा इलाका जहां पिछले चार दशकों से माओवाद का कब्जा रहा है, लेकिन बीते दो सालो से लगातार माओवादियों की कमर पुलिस प्रशासन तोड़ रही है। कुछ माओवादियों ने आत्म समर्पण कर दिया, तो कुछ माओवादी मारे जा रहे है।

कोंटा एरिया कमेटी में पिछले कई सालो से सक्रिय माओवादी मंगडू अपने साथियों के साथ सुबह मुठभेड़ में मारा गया। हालांकि इतने माओवादी मारे गए है इसकी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन मुठभेड़ की अधिकारिक पुष्टि पुलिस ने कर दी है।

जानकारी के मुताबिक जिले के किस्टाराम थानाक्षेत्र के पामलूर इलाके में कोंटा एरिया कमेटी सचिव मंगडू अपने साथियों के साथ ?छुपा हुआ था। जिसकी जानकारी मिलते ही एसपी किरण चव्हाण ने डीआरजी टीम को ऑपरेशन के लिए रवाना किया।

सुबह जैसे ही जवान उस इलाके में पहुंचे तो माओवादियों ने फायरिंग करनी शुरू कर दी। दोनों और से करीब एक घंटे तक रूक-रूक कर फायरिंग हुई, जिसके बाद इलाके की सर्चिंग करने पर 12 माओवादियों के शव और हथियार बरामद हुए। अभी भी जवान मौके पर मौजूद हैं। इलाके की सर्चिंग कर रहे है। माओवादी मारे जाने का आंकड़ा और बढ़ सकता है। जवान वापस कैंप लौटेंगे, तभी पूरी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

जानकारी के मुताबिक वेट्टी मुका उर्फ मंगडू उम्र 40 वर्ष सुकमा जिले के गोगुड़ा गांव का रहने वाला था। पिछले कई सालों से माओवादी संगठन में काम कर रहा था। वर्तमान में वो कोंटा एरिया कमेटी के सचिव पद पर कार्यरत था। कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहा। अपने पास एके47 जैसे हथियार रखता था। शासन ने 8 लाख का इनाम घोषित किया था। आज हुई मुठभेड़ में एसीएम हितेश भी मारा गया है। 9 जून को कोंटा के पास एक आईईडी की चपेट में आने से तत्कालीन स्व. एएसपी आकाश राव गिरपुंजे की शहादत हो गई थी।इस घटना को एसीएम हितेश ने अंजाम दिया था। आज जवानों ने एएसपी आकाश राव की शहादत का बदला ले लिया।

# संगम तट पर 'हर हर गंगे' की गूंज

## पौष पूर्णिमा के पहले स्नान संग माघ मेला शुरू, श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज,03 जनवरी (एजेंसी)। पौष पूर्णिमा के पहले स्नान पर्व के साथ माघ मेले का शुभारंभ हो गया। ब्रह्म मुहूर्त से लोग संगम समेत सभी घाटों पर स्नान करने लगे। हर- हर गंगे का नाद गूंज उठा है। श्रद्धालुओं और कल्पवासियों का रेला निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। श्रद्धा के साथ स्नान ध्यान और पूजन अर्चन और सभी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मां गंगा से याचना। भक्ति भाव से मां गंगा भी आह्लादित हैं। यह क्रम इसी तरह पूरे दिन बना रहेगा। अब तक लगभग हजारों लोगों ने स्नान कर लिया है। हालांकि जिलाधिकारी मनीष वर्मा का दावा है कि सुबह छह तक तीन लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं।

## महाराष्ट्र की पहली डीजीपी रश्मि शुक्ला हुईं सेवानिवृत्त, पुलिस ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

मुंबई ,03 जनवरी (एजेंसी)। महाराष्ट्र पुलिस की पहली महिला डीजीपी रश्मि शुक्ला शनिवार को सेवानिवृत्त हुईं। अपने विदाई अवसर पर उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि यह पल उनके लिए अतीत की यादों में खोया हुआ है। महाराष्ट्र पुलिस ने उन्हें जीवन में बहुत कुछ दिया और सिखाया।

सेवानिवृत्ति के मौके पर रश्मि शुक्ला ने कहा, 'मैं भारतीय पुलिस सेवा से रिटायर हो रही हूं और यह मेरे लिए बहुत भावुक क्षण है। महाराष्ट्र पुलिस ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मैंने यहां बहुत कुछ सीखा है। एक टीम के रूप में हमने महाराष्ट्र पुलिस को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। मुझे गहरा संतोष है और मैं महाराष्ट्र

पुलिस के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अच्छे स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देती हूं।'

रश्मि शुक्ला को उनके सम्मान में दादर स्थित नायगांव पुलिस ग्राउंड में आयोजित विदाई समारोह के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। यह समारोह उनके लंबे और उल्लेखनीय सेवा काल को समर्पित रहा।

1988 बैच की आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला ने महाराष्ट्र पुलिस की कमान संभालकर इतिहास रचा था। वह राज्य की पुलिस प्रमुख बनने वाली पहली महिला अधिकारी थीं। उनके कार्यकाल को कई अहम फैसलों और उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा, हालांकि यह दौर कुछ विवादों से भी जुड़ा रहा।

महा विकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल के दौरान रश्मि शुक्ला के खिलाफ कथित फोन टैपिंग मामले को लेकर केस दर्ज किए गए थे। इन मामलों ने काफी राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल मचाई थी। बाद में ये सभी मामले वापस ले लिए गए।

# आईपीएल नहीं खेल पाएंगे मुस्ताफिजुर रहमान, बीसीसीआई ने केकेआर को दिए बांग्लादेशी खिलाड़ी को रिलीज करने निर्देश

नई दिल्ली,03 जनवरी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स को निर्देश देते हुए कहा है कि वह बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज कर दे। बीसीसीआई ने ये फैसला मौजूदा हालात को देखते हुए लिया है क्योंकि पूरे देश में इस समय बांग्लादेश के खिलाफ माहौल है जहां लगातार हिंदूओं को टारगेट किया जा रहा है।

रहमान को कोलकाता ने दिसंबर में हुई मिनी नीलामी में 9.20 करोड़ रुपये की कीमत देकर खरीदा था। बांग्लादेश में मौजूदा माहौल को देखते हुए भारत में उसके खिलाफ माहौल बना और कई लोगों ने शाहरुख खान पर राष्ट्रीय हित को दरकिनार करने के आरोप लगाए। रहमान का इसी कारण विरोध हो रहा

था जिसके बाद बीसीसीआई का ये फैसला आया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने अपनी रिपोर्ट में बीसीसीआई सचिव के हवाले से इस बात की जानकारी दी है।

बीसीसीआई ने कहा है कि कोलकाता को रहमान के रिप्लेसमेंट के लिए मंजूरी दी जाएगी। देवजीत ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, 'बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स से मुस्ताफिजुर रहमान को रिलीज करने को कह दिया है। वह रिप्लेसमेंट की मांग कर सकते हैं। उनकी अपील पर बीसीसीआई रिप्लेसमेंट की मंजूरी दे देगा।'

देवजीत से जब पूछा गया कि बीसीसीआई ने कोलकाता से ऐसा क्यों कहा तो उन्होंने कहा, 'पूरे देश में जो हाल ही में माहौल बना है उसे देखने के बाद।'

बीसीसीआई पर रहमान के आईपीएल में खेलने को लेकर दबाव बना रहा था। आलोचना कोलकाता की फ्रेंचाइजी के मालिक और बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान तक पहुंच गई थी। सत्ताधारी बीजेपी के कई लोग रहमान और शाहरुख खान को लगातार घेर रहे थे। रहमान 2016 से आठ सीजन आईपीएल के खेल चुके हैं। उन्होंने 2019 और 2020 में इस लीग में हिस्सा नहीं लिया था।

# पहाड़ों की बर्फबारी का असर एनसीआर में ठंड बढ़ी, हवा से सुधरी हवा की गुणवत्ता

नई दिल्ली,03 जनवरी (एजेंसी)। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब मैदानी क्षेत्रों में साफ दिखाई देने लगा है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ठिठुरन भरी ठंड के साथ तेज हवाओं ने लोगों को कंपकंपाने पर मजबूर कर दिया है।

तापमान में गिरावट के साथ ही सुबह और रात के समय सर्द हवाओं का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है। मौसम में आए इस बदलाव का सकारात्मक असर वायु गुणवत्ता पर भी पड़ा है और एनसीआर के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में सुधार दर्ज किया गया है। ताजा आंकड़ों के अनुसार गाजियाबाद के विभिन्न इलाकों में एक्यूआई ऑरेंज जोन में दर्ज किया गया है। इंदिरापुरम में एक्यूआई 153 रहा, जो संतोषजनक से मध्यम

श्रेणी में आता है। वहीं लोनी में स्थिति थोड़ी खराब रही, जहां एक्यूआई 280 दर्ज किया गया। संजय नगर गाजियाबाद में एक्यूआई 205 रहा, जबकि वसुंधरा में एक्यूआई 287 तक पहुंच गया। इससे साफ है कि गाजियाबाद के कुछ इलाकों में अब भी प्रदूषण मध्यम से खराब श्रेणी में बना हुआ है।

नोएडा की बात करें तो सेक्टर-125 में एक्यूआई 219, सेक्टर-62 में 164, सेक्टर-1 में 234 और सेक्टर-116 में 218 दर्ज किया गया है। इन आंकड़ों के अनुसार नोएडा के अधिकांश क्षेत्र ऑरेंज जोन में हैं, जहां संवेदनशील लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

## ओटीपी शेयर करना पड़ा भारी, युवक के नाम पर हुआ 1.59 करोड़ का महाघोटाला

शाहजहांपुर,03 जनवरी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में एक युवक के नाम पर फर्जी फर्म बनाकर 1 करोड़ 59 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के दो युवकों सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि कटरा थाना क्षेत्र के मोहल्ला आतिशीबाजान निवासी मोईद अली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पड़ोसी शोएब ने उन्हें एक अच्छी आमदनी का झांसा देकर उनके नाम पर फर्म खोलने का सुझाव दिया। शोएब की बातों में आकर मोईद अली ने अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड और मोबाइल नंबर खुदागंज निवासी सीए भूपेंद्र को दे दिए।

पीड़ित ने बताया कि इसके बाद उनके मोबाइल पर कई ओटीपी आए, जिन्हें उन्होंने शोएब को दे दिया। आरोप है कि इन दस्तावेजों और ओटीपी का दुरुपयोग करते हुए आरोपियों ने 'प्लेटीनम राइट होम प्रिल' नाम से एक फर्जी फर्म बना दी और इसके कागजात मोईद अली को सौंप दिए।

## सिक्किम में महसूस हुए भूकंप के झटके

नई दिल्ली,03 जनवरी (एजेंसी)। उत्तर पूर्वी राज्य सिक्किम में के एक शहर सोरेंग में आज शनिवार, 3 जनवरी 2026 की सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.9 मापी गई है. सुबह 5 बजकर 58 मिनट पर यह भूकंप आया।

भूकंप के झटकों से लोग दहशत में आ गए और अपने घरों से बाहर निकल आए। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक, इस घटना में किस तरह के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। सिक्किम के सोरेंग में आज सुबह 5 बजकर 58 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बारे में जानकारी साझा की। इस भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर 5 किलोमीटर तक था। सिक्किम में आए भूकंप की तीव्रता ज्यादा नहीं थी, इसलिए जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन फिर भी भूकंप आने पर सतर्कता बरतते हुए लोगों को घर से बाहर निकल आना चाहिए।

# मतदान से पहले महायुति के 68 प्रत्याशी निर्विरोध जीते, भाजपा के अकेले 44 शामिल, आयोग करेगा जांच

मुंबई ,03 जनवरी (एजेंसी)। बीएमसी चुनाव के लिए मतदान से पहले महायुति गठबंधन के घटक दलों के खुशखबरी सामने आई है। बता दें कि, मतदान से पहले ही महायुति के 68 प्रत्याशी निर्विरोध जीत गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा भाजपा के उम्मीदवार, फिर शिवसेना और एनसीपी के उम्मीदवार जीते हैं।

महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव से पहले भाजपा और महायुति गठबंधन के सहयोगियों ने 68 सीटें निर्विरोध जीत ली है। इसमें अकेले भाजपा के 44 उम्मीदवार, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 22 और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के दो उम्मीदवार शामिल हैं। वहीं, राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने उन नगर निकायों

से रिपोर्ट मांगी है, जहां सत्तारूढ़ दलों के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

महायुति के 68 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं में शुक्रवार को नामांकन वापसी का आखिरी दिन था। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने शुक्रवार देर शाम को बताया कि भाजपा और महायुति के 68 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, जो नगर निकाय के चुनाव में पार्टी की बढ़ती ताकत और लोकप्रियता को दर्शाता है।भाजपा के अकेले 44 उम्मीदवार जीते

केशव उपाध्याय ने बताया कि निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवारों में भाजपा के 44 उम्मीदवार शामिल हैं, जिनमें सबसे अधिक 15 उम्मीदवार ठाणे जिले के कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) से है, जबकि यहां से शिवसेना के 6 उम्मीदवार निर्विरोध जीते हैं। इसके बाद पुणे, पिंपरी-चिंचवड़, पनवेल, भिवंडी, धुले, जलगांव और अहिल्यानगर हैं। बड़ी संख्या में सत्तापक्ष के उम्मीदवारों के निर्विरोध जीतने के मामले में विपक्ष ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग करेगा जांच वहीं, निर्वाचन आयोग ने फैसला किया है कि वह इस बात की जांच करेगा कि क्या निर्विरोध चुने जान के मकसद से नामांकन वापस लेने के लिए विपक्षी उम्मीदवारों पर कोई दबाव तो नहीं डाला गया या उन्हें कोई प्रलोभन तो नहीं दिया गया। महायुति का चुनावी तैयारी गौरतलब है कि 29 दिसंबर को महायुति ने आगामी बृहन्मुंबई नगरनिगम (बीएमसी) चुनाव के लिए सीटों का फॉर्मूला फाइनल किया।

## बांग्लादेश के खिलाफ प्रदर्शन करने पर हिंदू युवक को किया प्रताड़ित, तो वीडियो बनाकर लगा ली फांसी

बिलासपुर,03 जनवरी (एजेंसी)। एक युवक ने प्रताड़ना से तंग आकर फांसी लगा ली। जान देने से पहले उसने एक भावुक वीडियो रिकॉर्ड किया है, जिसमें उसने एक मुस्लिम युवक और उसके साथियों पर मारपीट और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। युवक ने वीडियो में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं होने के कारण वह यह कदम उठाने को मजबूर हुआ। घटना मुंगेली जिले की है। सरकंडा के चिंगराजपारा गणेश चौक में रहने वाला नरेश साहू (18) एक निजी संस्थान में कार्यरत था। उसने 31 दिसंबर को कोतवाली थाने में मारपीट की शिकायत दर्ज कराई थी। नरेश ने बताया कि खपरगंज निवासी सोहेल खान और उसके साथियों ने रात करीब नौ बजे उसे घेरकर बेरहमी से पीटा। ये लोग उसे हिंदू संगठनों से जुड़े होने और बांग्लादेश तथा पाकिस्तान में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने के कारण प्रताड़ित कर रहे थे।

# प्रधानमंत्री आवास योजना: महापौर ने 306 हितग्राहियों को प्रदान किया आवासगृह स्वीकृति व भवन अनुज्ञा पत्र

## प्रधानमंत्री आवास योजना ( शहरी ) 2.0 अंतर्गत निगम क्षेत्र में मोर जमीन-मोर मकान बी.एल.सी. घटक अंतर्गत वर्तमान में 3582 हितग्राहियों को स्वीकृत हुए आवासगृह

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निगम कार्यालय साकेत में प्रधानमंत्री आवास योजना ( शहरी ) 2.0 '' मोर जमीन-मोरी मकान '' बी.एल.सी. घटक के 306 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र एवं भवन निर्माण अनुमति पत्र प्रदान किया। इस अवसर वरिष्ठ पार्षद एवं निगम के पूर्व सभापति अशोक चावलानी, एम.आई.सी. सदस्य अजय गोंड़, ममता यादव, पार्षद पंकज देवांगन, रूबीदेवी सागर, धनश्रीअजय साहू, उर्वशी राठौर, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, अधीक्षण अभियंता व नोडल अधिकारी सुरेश बरूआ उपस्थित थे। महापौर श्रीमती राजपूत ने हितग्राहियों को बधाई व शुभकामनाएं दी तथा समयसीमा में मकानों का निर्माण कार्य प्रारंभ कर निर्माण कार्य पूर्ण करने की सलाह हितग्राहियों को दी।

प्रधानमंत्री आवास योजना ( शहरी ) 2.0 के तहत '' मोर जमीन-मोर मकान '' बी.एल.सी. घटक अंतर्गत नगर निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत वर्तमान में 3582 नए हितग्राहियों को आवासगृहों की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। आज नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभा कक्ष में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने 306 हितग्राहियों को आवासगृहों के स्वीकृति पत्र व भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र प्रदान किया। इसके पूर्व विगत 326 हितग्राहियों को आवासगृह स्वीकृति व भवन अनुज्ञा पत्र महापौर श्रीमती राजपूत के द्वारा हितग्राहियों को प्रदान किए गए थे। इस मौके पर महापौर श्रीमती राजपूत ने हितग्राहियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिल से साधुवाद है कि उन्होने समाज के सभी वर्ग के लोगों के साथ-साथ विशेष रूप से गरीब, निर्धन व आर्थिक रूप से पिछड़े हुए लोगों के उत्थान के लिए, उनका जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के परिणाम स्वरूप देश के करोड़ों लोगों को पक्के मकान मिल चुके हैं तथा करोड़ों लोगों को आगे भी पक्के व सर्वसुविधायुक्त मकान मिलेंगे, जिससे देश का कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं रहेगा,

जिसके पास अपना खुद का पक्का मकान न हों। महापौर श्रीमती राजपूत ने आगे कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सत्ता की बागडोर संभालते ही छत्तीसगढ़ के 18 लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दी थी, उन्हें साधुवाद है कि उनके द्वारा मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना के अंतर्गत 32850 रूपये की अतिरिक्त राशि ऐसे हितग्राहियों को दी जा रही है, जिनके द्वारा 18 माह के अंदर भवन का निर्माण कार्य पूरा किया जावेगा। उन्होने हितग्राहियों से कहा कि आप किसी की बातों से भ्रमित न हो, यदि आपसे कोई रूपये पैसे की मांग करता है और किसी प्रकार का प्रलोभन देता है तो उसकी बातों में आए बिना तुरंत अपने वार्ड पार्षद व निगम के अधिकारियों से संपर्क करें, आपके वार्ड पार्षद व निगम के अधिकारी आपका पूरा सहयोग करेंगे, आप समय-समय पर अपनी समस्याएं उन्हें अवश्य बताएं।

कोरबा के बी.एल.सी. में प्रथम स्थान - इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद व पूर्व सभापति अशोक चावलानी ने हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की ओर से आप सबको आवासगृहों हेतु बधाई व शुभकामनाएं देता हूँ। उन्होने कहा कि यह हम सबके लिए गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के बी.एल.सी. घटक के कार्यो हेतु कोरबा को पूरे छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, जिसके लिए मैं निगम के संबंधित अधिकारी कर्मचारियों साधुवाद देता हूँ।

मकान निर्माण हेतु मिलेंगे ढाई लाख रूपये - इस अवसर पर अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ( शहरी ) 2.0 अंतर्गत हितग्राहियों को आवासगृह निर्माण हेतु शासन से 02 लाख 50 हजार रूपये की राशि प्राप्त होगी, जो चार किश्तों में दी जाएगी, प्रथम किश्त में 63 हजार रूपये, द्वितीय किश्त में 87 हजार रूपये, तृतीय किश्त में 65 हजार रूपये एवं चतुर्थ किश्त में 35 हजार रूपये की राशि हितग्राहियों को प्राप्त होगी। उन्होने बताया कि इसके अतिरिक्त 18 माह के अंदर उनके द्वारा आवासगृह का निर्माण पूर्ण कर लेने पर छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजनांतर्गत 32850 रूपये की अतिरिक्त राशि भी हितग्राहियों के मिलेगी।

इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद एवं निगम के पूर्व सभापति अशोक चावलानी, एम.आई.सी. सदस्य अजय गोंड़, ममता यादव, पार्षद पंकज देवांगन, रूबीदेवी सागर, धनश्रीअजय साहू, उर्वशी राठौर, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, अधीक्षण अभियंता व नोडल अधिकारी सुरेश बरूआ के साथ ही सहायक नोडल अधिकारी रूचि साहू, प्रधानमंत्री आवास योजना के सी.एल.टी.सी. अमन शर्मा, हर्ष छत्रवाणी, धवल शर्मा, पी.एम.सी.टीम लीडर शशिकांत साहू, प्रभात धीमर, हनीफ खान आदि के साथ हितग्राहीगण व अन्य लोग उपस्थित थे।

# घर में रखें दो कुर्सी के बीच बैठा था 5 फिट का कोबरा

## जितेंद्र सारथी ने आधी रात गांव पहुंच कर किया रेस्क्यू

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। कनकेश्वर धाम कनकी जो शहर से करीब 26 किलोमीटर की दूरी पर हैं वहीं एक व्यक्ति के घर के अंदर 5 फ़ीट लंबा भारतीय नाग निकलने हड़कंप मच गया, रात्रि करीब 10 बजे जब घर वाले सोने की तैयारी कर ही रहे थे तभी कुछ चलता हुए प्रतित हुआ फिर ठीक से देखने पर सांप पाया गया, जिसके बाद घर वाले तुरत घर से बाहर निकल गए और मदद के लिए आस पास के लोगों को बुलाया, पर डर से किसी की हिम्मत नहीं हुई तब तक कोबरा दो कुर्सी के बीच में जाकर बैठ गया था फिर गांव के युवक बसंत रजवाड़े ने घटना की सूचना वाइल्डलाइफ रेस्क्यु टीम ( नोवा नेचर ) के जितेंद्र सारथी दिया जिस पर थोड़ी देर में पहुंचने की बात कहीं गई और कुछ देर बाद जितेंद्र सारथी अपने

टीम के सदस्य सिद्धांत जैन के साथ कनकी पहुंचे फिर कमरे में बैठें भारतीय नाग को बड़ी सावधानी से बाहर निकाला और थैले में डाला तब जाकर सभी ने राहत भरी सांस लिया फिर गांव वालों ने रेस्क्यु टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया गया फिर उसे सुरक्षित प्राकृतिक रहवास जंगल में छोड़ा गया।

ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण सांप को देखने और रेस्क्यू प्रक्रिया को समझने के लिए घर के बाहर खड़े रहे,कनकी गांव में भगवान शिव विराजमान हैं, इसलिए यहाँ के लोग सांपों को भगवान शिव का स्वरूप मानते हैं,इसी आस्था के चलते ग्रामीण सांपों को मारते नहीं, बल्कि उन्हें बचाने और सुरक्षित जंगल में छोड़ने का प्रयास करते हैं।

यह घटना न केवल मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व का उदाहरण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि आस्था और संवेदनशीलता मिलकर वन्यजीव संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

# ठेका कर्मियों को एचपीसी रेट पर नहीं मिल रहा वेतन

## कोयला मजदूर पंचायत 9 को करेगा आंदोलन

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। एसईसीएल कोरबा एरिया अन्तर्गत सरईपाली खुली खदान में संचालित ठेका कंपनी में कार्यरत श्रमिकों का शोषण किया जा रहा है। निर्धारित एचपीसी दर से कम वेतन का भुगतान किया जा रहा है। साथ कंपनी के द्वारा मनमर्जी तरीके से काम कराया जा रहा है। जिसे लेकर कोयला मजदूर पंचायत ने ठेका कंपनी विनय कुमार उपाध्याय के खिलाफ आंदोलन का मन बनाया है। संगठन द्वारा 9 जनवरी को कोरबा एरिया में धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी

गई है। कोयला मजदूर पंचायत केन्द्रीय उपाध्यक्ष गजेन्द्र पाल सिंह तंवर ने इस संबंध महाप्रबंधक कोरबा एरिया को पत्र सौंपा है। जिसमें मजदूरी भुगतान के अलावा अन्य मांगों को पूरा करने की मांग रखी है। श्री तंवर का कहना है कि खदान में पूर्व में कार्यरत चालकों व आपरेटर की पूर्ण रूप से बहाली की जाए। निर्धारित वेतन का जो अब तक कम भुगतान हुआ है उसे एरियस सहित प्रदान किया जाए। साथ ही ठेका कर्मियों को पहचान पत्र व वेतन पर्ची जारी करने की मांग की गई है। निर्धारित फार्म में टाइम आफिस में हाजिरी लगाने, सीएमपीएफ सदस्य बनाने और नियमित सीएमपीएफ कटौती की मांग की है। उनके वेतन से अब तक किए गए सीएमपीएफ के कटौती की मांग संगठन ने रखी है। ठेका श्रमिकों को नियुक्ति पत्र, नियमानुसार अवकाश व खदान में कंपनी द्वारा संचालित अवैध कैंप को तत्काल प्रभाव से बंद करने की मांग की है।

# पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का होगा वार्षिक सत्यापन

## निगम के समस्त वार्डो में चलेगा विशेष अभियान, कर्मचारियों की लगाई गई वार्डवार ड्यूटी

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। शासन की विभिन्न पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन मोबाईल एप बेनेफिशरी सत्यापन एप के माध्यम से किया जाएगा, इस हेतु नगर पालिक निगम केरबा के समस्त वार्डो में विशेष अभियान चलाया जाएगा। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने इस हेतु आदेश जारी कर वार्डवार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है।

शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के तहत शासन के सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित केन्द्रीय पेंशन योजनाओं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन मोबाईल एप बेनेफिशरी सत्यापन एप से शत प्रतिशत किया जाना है। साथ ही आधार सत्यापन हेतु हितग्राहियों से आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति के साथ मोबाईल नम्बर भी लिया जायेगा, इस हेतु नगर पालिक निगम कोरबा के समस्त वार्डो में विशेष अभियान चलाया जाएगा। अपर आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने आदेश जारी कर अभियान के सफल संचालन हेतु कर्मचारियों की वार्डवर ड्यूटी लगाई है।

# रामपुर विधायक प्रतिनिधि की धौंस, की मारपीट

## आरक्षक सहित दो लोगों ने दर्ज कराया एफआईआर

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। रामपुर विधानसभा के कांग्रेस विधायक फूलसिंह राठिया के प्रतिनिधि अलग ही रूआब में है। विधायक की धौंस दिखाकर पुलिस चौकी में घुसकर आरक्षक से मारपीट करते हुए जातिगत गाली-गलौज को अंजाम दिया गया। मारपीट के मामलों में पुलिस ने काउंटर केस दर्ज किया है और कुल तीन एफआईआर अलग-अलग लिखी गई है।

एक मामले में प्रार्थी विकास कोसले पिता आजूराम कोसले ओमपुर एम 745 का रहने वाला है। उसके साथ रामपुर विधायक प्रतिनिधि जयकिशन पटेल के द्वारा रजगामार चौकी में स्टाफ के सामने मारपीट कर जातिवाद गाली गालौच की गई। आरक्षक क्रमांक 528 विकास कोसले थाना करतला में कार्यरत हैं। वह 31.12.2025 को थाना करतला से डाक वितरण करने पुलिस कार्यालय आया था। डाक जमा करने बाद अपने घर ओमपुर एम 745 ओमपुर में रुका हुआ था। रात्रि 10 बजे के लगभग उसके मामा का लडका राजेन्द्र जांगडे घर में दौडते हुये आया और बताया कि जयकिशन पटेल ने उसके साथ मारपीट किया और जातिगत गाली देकर शराब के नशे में जान से मारने की धमकी देने लगा। राजेन्द्र को अपने साथ लेकर चौकी रजगामार आया और रिपोर्ट करने के लिये आवेदन लिख रहा था, उसी समय जयकिशन आया और रजगामार चौकी के अन्दर आरक्षक विकास को गाली गलौच करते हुये तुम लोग मेरा क्या उखाड़ लोगे बोलते हुये रात्रि गश्त अधिकारी एवं चौकी हाजरी के सामने हाथ झापड से मारपीट करने लगा। चौकी स्टाफ के द्वारा मना करने पर भी नहीं मान रहा था व जान से मारने की धमकी देते हुये आरक्षक के साथ मारपीट किया है। विकास कोसले की रिपोर्ट पर जय किशन पटेल के विरुद्ध धारा 115( 2 ), 296, 351( 3 ) बी एन एस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है। दूसरी एफआईआर में प्रार्थी राजेन्द्र जांगडे पिता रामरत्न जांगडे निवासी ओमपुर रजगामार ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि वह 31.12.2025 को सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने गांधी चौक गया था जहाँ जयकिशन पटेल आया और चल तेरे से बात करना है, बोल कर मंच के पीछे ले गया। वहाँ अपने हाथ में रखे डंडा से मारपीट करना चालू कर दिया। बीच बचाव किया व डंडा को छीन कर फेक दिया उसके बाद झापड से मारने लगा और जातिवाद गाली गलौच करने लगा। प्रार्थी अपनी जान बचाते हुये वहाँ से भागा और अपने फुफा के घर गया जहाँ फुफा के लडका को उठा कर घटना के बारे में बताया। उसके साथ चौकी रजगामार में रिपोर्ट करने आया। चौकी में आवेदन लिख रहे थे कि उसी समय जयकिशन पटेल आया और जातिवाद गाली गलौच करते हुये विकास कोशले को ..... तुम मेरे खिलाफ रिपोर्ट लिखवाने आया है बोलते हुये विकास कोशले को प्रार्थी एवं चौकी स्टाफ के सामने मारपीट करने लगा रामपुर विधायक के प्रतिनिधि होने का धौंस दिखाया। पुलिस ने मामले में राजेन्द्र जांगडे की रिपोर्ट पर जय किशन पटेल के विरुध्द धारा 115( 2 ), 296, 351( 3 ) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है

विधायक प्रतिनिधि ने भी लिखाई रिपोर्ट- विधायक प्रतिनिधि ने भी विकास कोसले व राजेन्द्र के द्वारा मारपीट कर जान से मारने की धमकी की रिपोर्ट लिखाई है। जयकिशन पटेल विधायक प्रतिनिधि रजगामार विधानसभा रामपुर ने बताया कि वह कार्यकम कराने गया था। ओमपुर रजगामार में रात्रि 10 बजे के करीब सुरेश उर्फ लल्लु के द्वारा बुलाया गया और गांधी चौक ओमपुर में उसके साथ विकास कोसले और राजेन्द्र के द्वारा मारपीट की गई। उसके मोबाईल को विकास कोसले ही छीनाझपटी किया और जान से मारने की धमकी दी गई। प्रार्थी जयकिशन पटेल की रिपोर्ट पर विकास कोसले व राजेन्द्र के विरूद्ध धारा 115( 2 ), 3( 5 ), 351( 3 )बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

## राशिफल

मेष -आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका ध्यान केवल काम के प्रति रहेगा और इसके लिए आप कठोर परिश्रम करने को तैयार रहेंगे। आप ज्यादा लोगों से जुड़े रहेंगे और लोग भी आपकी सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे।

वृष-आज दिन शानदार रहेगा। आपकी कम्युनिकेशन स्किल दूसरों को प्रभावित करेगी और इसका लाभ मिलेगा। बिना नतीजों की चिंता किए मेहनत करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगी। बिजनेस में अचानक फायदा मिलेगा।

मिथुन -आज का दिन बेहतरीन है। सोचे हुए काम और योजनाएं पूरी होंगी। रुके हुए काम पूरे करने में किस्मत का साथ मिलेगा। अपने गुणों और काम की वजह से सम्मान मिलेगा और समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क -आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। कठिन मामलों पर बातचीत से समाधान मिलेगा। जितनी मेहनत करेंगे उतना ही फायदा मिलेगा। महत्वपूर्ण कामों पर फोकस रहेगा। जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। स्टूडेंट्स मैथ्स में भाई की मदद ले सकते हैं।

सिंह -आज का दिन बेहतरीन रहेगा। संतान पक्ष से संतोष मिलेगा। नया बिजनेस या नौकरी के अवसर तलाशने वालों के लिए समय अनुकूल है। आत्मविश्वास बढ़ेगा और ऑफिस में आपकी पर्सनालिटी की तारीफ होगी।

कन्या-कन्या राशि वालों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में मधुरता और आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। ऑफिस में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, जिन्हें आप सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। खानपान पर ध्यान दें। मेहनत के अनुसार लाभ मिलेगा।

तुला-आज का दिन मिला जुला रहेगा। सकारात्मक सोच से असंभव काम भी संभव होंगे। विद्यार्थियों को सफलता के लिए थोड़ी और मेहनत करनी होगी। कारोबार और करियर की समस्याएं दूर होंगी। नई कोशिशों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक - वृश्चिक राशि वालों आज मन में थोड़ी उलझन रहेगी, लेकिन जीवनसाथी से बात करने पर समाधान मिलेगा। जल्दबाजी में कोई बड़ा फैसला न लें। आत्मविश्वास बढ़ने से रुके काम पूरे होंगे। अचानक धन लाभ होगा।

धनु -आज का दिन बढ़िया रहेगा। सार्वजनिक और प्रोफेशनल कार्यों में अनुकूलता रहेगी। परिवार के साथ विचार विमर्श से समस्याओं का समाधान होगा। मल्टीनेशनल कंपनी से जुड़े लोगों के लिए दिन प्रगति वाला है।

मकर -आज दिन नई उमंग लेकर आएगा। आय के नए स्त्रोत बन सकते हैं। छात्रों को शिक्षा में अच्छे परिणाम मिलेंगे। घर में सुख शांति रहेगी। मित्र की मदद से बिगड़े काम बनेंगे। जमीन से जुड़े निवेश में लाभ मिल सकता है।

कुम्भ -आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। घर की सफाई या नवीनीकरण में व्यस्त रहेंगे। व्यापार में नए प्रोजेक्ट मिलेंगे। विदेश जाने का निमंत्रण मिल सकता है। लवमेट से उपहार मिलेगा।

मीन -आज का दिन खास रहेगा। भाई और माता का सहयोग मिलेगा। सहकर्मियों की मदद से काम समय पर पूरा होगा। खानपान का ध्यान रखें। महिलाओं को शॉपिंग में डिस्काउंट मिल सकता है। घर की साफ सफाई में व्यस्त रहेंगे।

# छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद का रजत जयंती स्थापना दिवस कार्यक्रम 29 को

## कमेटी के जिलाध्यक्ष वीरसाय धनवार नियुक्त

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त अशासकीय व गैर राजनैतिक संगठन और आदिवासी समाज का मातृ संगठन है।छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद स्थापना के 25 वर्ष पूर्व होने उपलक्ष्य पर 29 जनवरी को रजत जयंती स्थापना दिवस रायपुर में मनाया जायेगा। वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद छः बिन्दु में केंद्रित होकर छः सूत्रीय कार्यक्रम करेगा। जिसकी

घोषणा रजत जयंती स्थापना दिवस कार्यक्रम में की जाएगी। उक्त रजत जयंती व स्थापना दिवस कार्यक्रम की तैयारी प्रदेशव्यपी चल रही है। जिसमें सभी जिलो में संगठन विस्तार व नई कमेटी गठन करने का अभियान चल रहा है। इसी तारतम्य में कोरबा जिला कमेटी के लिए जिलाध्यक्ष के लिए वीरसाय धनवार, जिला कमेटी महिला प्रभाग के लिए सरोज कंवर एवं युवा / छात्र प्रभाग में गोवर्धन सिंह कंवर के नाम की घोषणा की गई है।

उक्त जानकारी प्रेस क्लब तिलक भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान निर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद केआर शाह, नव प्रदेश उपाध्यक्ष रूपेन्द्र पैकरा, ओमप्रकाश प्रधान प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, केआर राज कार्यवाहक जिला अध्यक्ष व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों ने दी।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और बीजेपी पश्चिम बंगाल प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सामिक भट्टाचार्य के साथ कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार, 30 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली में जाने-माने अर्थशास्त्रियों के साथ बजट से पहले एक मीटिंग की अध्यक्षता की। इस मीटिंग में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, नीति आयोग के वाइस चेयरमैन सुमन बेरी और दूसरे जाने-माने अर्थशास्त्री मौजूद थे।

केरल के वर्कला में शिवगिरी मठ में 93वीं शिवगिरी तीर्थयात्रा के उद्घाटन के दौरान भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन को केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर सम्मानित करते हुए। केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी, केरल के मंत्री एम. बी. राजेश और कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी दिख रहे हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार और मंत्री मधु बंगारप्पा के साथ बेंगलुरु में विधान सौधा स्थित अपने ऑफिस में 2026 का कैलेंडर जारी किया।

झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता कल्पना मुर्मू सोरेन ने रांची के लोक भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की.

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास ने रांची, झारखंड में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

# ड्रोन हमलों के बाद पुतिन का बड़ा फैसला, अहम ठिकानों की सुरक्षा के लिए रिजर्व सैनिकों की होगी वापसी

मॉस्को ,03 जनवरी ( एजेंसी )। यूक्रेन से बढ़ते ड्रोन हमलों के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अहम ठिकानों की सुरक्षा के लिए रिजर्व सैनिकों को वापस बुलाने का आदेश दिया है। 2026 में विशेष प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे। सरकार महत्वपूर्ण ढांचों की सूची तय करेगी।

यूक्रेन से बढ़ते ड्रोन हमलों के बीच रूस ने अपनी आंतरिक सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रपति पुतिन ने देशभर में महत्वपूर्ण ठिकानों और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए रिजर्व सैनिकों को फिर से तैनात करने का आदेश दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब हाल ही में उनके वाल्दाई स्थित आवास के पास ड्रोन गतिविधियों की खबरें सामने आई थीं।

राष्ट्रपति द्वारा जारी आदेश के अनुसार, वर्ष 2026 में रूसी सशस्त्र बलों के मोबिलाइजेशन रिजर्व में शामिल नागरिकों को विशेष प्रशिक्षण शिविरों में भेजा जाएगा। इनका उद्देश्य देश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और जरूरी ढांचों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

कौन से ठिकाने होंगे सुरक्षित

आदेश में रूसी सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह उन

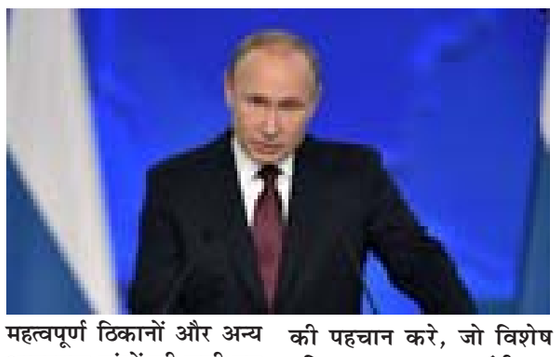

महत्वपूर्ण ठिकानों और अन्य आवश्यक ढांचों की सूची तय करे, जिनकी सुरक्षा की जानी है। इसमें ऊर्जा संयंत्र, परिवहन नेटवर्क और रणनीतिक संस्थान शामिल हो सकते हैं। रक्षा मंत्रालय को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वह उन सैन्य इकाइयों की पहचान करे, जो विशेष प्रशिक्षण अभ्यास कराएंगी।

ड्रोन हमलों की पृष्ठभूमि

पिछले कुछ महीनों में यूक्रेन की ओर से रूसी ऊर्जा ढांचे पर ड्रोन हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय कैस्पियन पाइपलाइन कंसोर्टियम से जुड़ी सुविधाएं भी शामिल हैं, जो कजाखस्तान से कच्चे तेल को काला सागर के नोवोरोसिस्क बंदरगाह तक पहुंचाती हैं। इन हमलों ने रूस की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।नई मोबिलाइजेशन नहीं- रूसी सेना

रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने साफ किया है कि इस कदम का मतलब नई भर्ती या नई मोबिलाइजेशन नहीं है। रिजर्व सैनिक अपने-अपने घरेलू क्षेत्रों में ही सेवा देंगे और अपने नागरिक रोजगार भी बनाए रखेंगे। उनका काम केवल महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा तक सीमित रहेगा।छुट्टियों के दौरान अतिरिक्त सतर्कतारूस में नए साल की लंबी छुट्टियों की शुरुआत हो चुकी है, जो 12 जनवरी तक चलेंगी। इस दौरान अधिकारियों ने आम लोगों को सतर्क रहने को कहा है। चेतावनी दी गई है कि ड्रोन जीपीएस सिस्टम का इस्तेमाल करते हैं, इसलिए सुरक्षा कारणों से मोबाइल इंटरनेट सेवाओं में अस्थायी बाधा आ सकती है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, रिजर्व सैनिकों की वापसी से साफ है कि रूस अब आंतरिक सुरक्षा पर ज्यादा ध्यान दे रहा है। ड्रोन हमलों की बढ़ती आशंका के बीच यह फैसला देश के अहम ढांचों को सुरक्षित रखने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

## कई उड़ानें रद्द, सामान्य लोगों पर भी असर, 'जस्टिस मिशन 2025' अभ्यास का तीसरा दिन कितना घातक?

हांगकांग,03 जनवरी ( एजेंसी )। चीन और ताइवान के सीमा पर स्थिति और गंभीर होती हुई दिख रही है। कारण है कि चीन का सैन्य अभ्यान 'जस्टिस मिशन 2025'। जहां चीन ने लगातार ताइवान के चारों ओर बड़े पैमाने पर लाइव-फायर सैन्य अभ्यास किया। मिसाइलें पहले से ज्यादा ताइवान के पास गिरीं। अभ्यास के कारण 941 उड़ानों में देरी या रद्दी और मछुआरों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हुई। आइए जानते है कि चीन के 'जस्टिस मिशन 2025' का ताइवान पर कैसा असर पर रहा है?

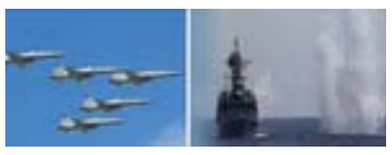

चीन और ताइवान के बीच सीमा पर तनाव और बढ़ गया है, जिसके चलते ताइवान जलडमरूमध्य एक बार फिर युद्ध जैसे हालात की आहट से गूंज उठा है। आज इस सैन्य अभ्यास का तीसरा दिन और स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। कारण है कि इससे पहले चीन ने ताइवान के चारों ओर बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास कर ताकत का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास में चीन की वायुसेना, नौसेना और मिसाइल इकाइयों ने मिलकर लाइव-फायर ड्रिल ( सीधे हथियारों से अभ्यास ) की। इस दौरान चीन ने लाइव फायरिंग भी की। बता दें कि चीन ने इस अभियान को 'जस्टिस मिशन 2025' नाम दिया है।चीन का कहना है कि यह अभ्यास ताइवान को समर्थन देने वाली बाहरी ताकतों को चेतावनी देने के लिए किया गया है। ताइवान के अधिकारियों ने बताया कि इस बार चीनी मिसाइलें और रॉकेट पहले से ज्यादा ताइवान के करीब गिरे, जिससे चिंता और बढ़ गई है।चीन के ये अभ्यास सिर्फ सैन्य दबाव नहीं बना रहे हैं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर भी असर डाल रहे हैं। ताइवान की नागरिक विमान सेवा ने ताइवान जलडमरूह क्षेत्र के आसपास सात खतरनाक जोन बनाए जाने की सूचना दी। चार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के लगभग 150 उड़ानों का समय बदला गया, उनमें देरी या रद्द भी हुई। इतना ही नहीं सिर्फ मंगलवार को ताइवान में 941 उड़ानों पर असर पड़ा। ऐसे में साफ तौर पर देखा जा रहा है कि चीन की सैन्य अभ्यास आम लोगों की यात्रा और काम-काज को भी प्रभावित कर रहे हैं।दूसरी ओर ताइवान के मछुआरों को चीन के अभ्यास की वजह से काम करने में दिक्कत हो रही है। केलुंग डिस्ट्रिक्ट फिशरमेन एसोसिएशन ने हर घंटे रेडियो पर सूचना दी कि कौन-सी जगह पर अभ्यास हो रहा है ताकि मछुआरे सुरक्षित रहें। मछुआरों की आमदनी और जीवन पर इससे सकारात्मक असर नहीं, बल्कि नुकसान हुआ।

बाहरी ताकतों तो चीन की मजबूत चेतावनीमामले में चीन ने अपने आधिकारिक मीडिया में लिखा कि यह अभ्यास एक साफ संदेश है कि ताइवान को चीन से अलग करने की कोशिश करने वालों को रोकने के लिए वह हमेशा तैयार है। बता दें कि अभ्यास के दौरान चीन सेना के ईस्टर्न थियेटर कमांड ने अपने अभ्यास में डिस्ट्रॉयर और फ्रिगेट जहाज, फाइटर जेट और बॉम्बर और लॉन्ग-रेंज मिसाइल और ग्राउंड फोर्सेज के लाइव फायर अभ्यास शामिल किया। इसके साथ ही सैनिक अभ्यास के दौरान चीन ने ताइवान के उत्तर और दक्षिणी जलडमरूह क्षेत्रों में जमीनी और हवाई हमलों का भी अभ्यास किया। ताइवान के डिफेंस मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि 27 रॉकेट्स ताइवान के पास गिरे, जो पहले के मुकाबले बहुत करीब थे।वहीं चीन के इस हरकत को देखते हुए ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा कि ताइवान संघर्ष नहीं बढ़ाएगा और विवाद को उकसाएगा नहीं। हालांकि उन्होंने चीन के इस कदम की निंदा भी की। उन्होंने कहा कि चीन के लगभग 130 हवाई जहाज और 14 युद्धपोत ट्रैक किए हैं। इतना ही नहीं चीन के लगभग 90 विमान ताइवान जलडमरूह की मध्य रेखा पार कर गए। ऐसे में ताइवान के राष्ट्रपति ने इस बात पर भी जोर दिया कि चीन का लक्ष्य लोगों का मनोबल कम करना और ताइवान सरकार पर दबाव डालना है। चीन ने कहा कि यह अभ्यास ताइवान की स्वतंत्रता चाहने वाले और बाहरी ताकतों के लिए चेतावनी है, लेकिन किसी देश का नाम नहीं लिया। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते चीन ने 20 अमेरिकी रक्षा कंपनियों और 10 अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया, क्योंकि अमेरिका ने ताइवान को 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा की हथियार बिक्री की। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस अभ्यास की पहले से जानकारी नहीं थी, लेकिन वह इस पर ज्यादा चिंतित नहीं हैं।

## अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने रिसोर्ट में सेलिब्रेट की न्यू ईयर की पार्टी, बताया नए साल का संकल्प

न्यूयॉर्क ,03जनवरी ( एजेंसी )। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो रिसॉर्ट में न्यू ईयर की पार्टी सेलिब्रेट की और नए साल का दिल खोलकर स्वागत किया। इस पार्टी में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के अलावा भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर, कारोबारी फिल रफिन, डोनाल्ड ट्रंप जूनियर, रूडी गिउलिआनी और गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम, एरिक और लारा ट्रंप, अमीराती अरबपति हुसैन सजवानी और व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ डैन स्कैविनो शामिल हुए।

ट्रंप ने मेहमानों को संबोधित किया। इस दौरान जान उनसे नए साल के संकल्प के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब दिया, शांति। धरती पर शांति। हालांकि उन्होंने वेनेजुएला पर हमले में सीआईए की भूमिका या यूक्रेन में सेना भेजने के सवालों का जवाब नहीं दिया।न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप ने मेहमानों का स्वागत काले कारपेट पर किया, जिस पर सुनहरे अक्षरों में हैप्पी न्यू ईयर मार ए लागो लिखा था।ट्रंप ने कहा, मैं बस आपको बताना चाहता हूं कि देश सच में बहुत अच्छा कर रहा है और दुनिया के इतिहास में किसी भी देश से कहीं ज्यादा निवेश अमेरिका में आ रहा है।उन्होंने टैरिफ रेवेन्यू पर जोर देते हुए कहा कि अमेरिका ने सैकड़ों मिलियन डॉलर जमा किए हैं और हमने पूरी सेना को 1,776 डॉलर दिए। यह बुरा नहीं है। हम बहुत खुश हैं कि हम एक देश के तौर पर बहुत अच्छा कर रहे हैं। हम वापस आ गए हैं। हम मजबूत हैं। मुझे नहीं लगा था कि यह इतनी तेजी से हो सकता है। यह इतनी तेजी से हो रहा है जितना किसी ने सोचा भी नहीं होगा।ट्रंप ने बड़े पैमाने पर हुई आर्थिक गड़बड़ी का जिक्र करते हुए कहा, अधिकारी अरबों डॉलर के नुकसान का पता लगा रहे हैं। क्या आप सोच सकते हैं कि उन्होंने 18 बिलियन डॉलर चुराए? हमें बस यही पता चल रहा है। जांच जारी रहेगी। यह एक बहुत बड़ा स्कैम था। यह सब वापस आ रहा है। यह कोशिश ग्रीन न्यू ईयर का हिस्सा है।इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक वैनेसा होराबुएना नाम की कलाकार को स्टेज पर बुलाया और उन्हें दुनिया की सबसे महान कलाकारों में से एक बताया। इसके बाद बैंड ने ईसाइयों का गीत बजाया और होराबुएना ने नाचते हुए कैनवास पर जीसस की पेंटिंग बनाई। पेंटिंग पूरी हो जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसकी नीलामी की और कहा कि इससे होने वाली कमाई से सेंट जूड और शेरिफ डिपार्टमेंट को फायदा होगा।

## माली, बुर्किना फासो का यूएस को कड़ा जवाब, दोनों देशों ने भी अमेरिकी नागरिकों की एंट्री पर लगाया प्रतिबंध

बमाको,03 जनवरी ( एजेंसी )। अमेरिकी सरकार ने बीते दिनों कई देशों के नागरिकों पर अमेरिका की यात्रा करने पर रोक लगा दी थी। अब माली और बुर्किना फासो ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी नागरिकों की उनके देश में एंट्री रोक दी है। बुर्किना फासो ने मंगलवार को अमेरिकी नागरिकों को उनके देश में एंट्री पर प्रतिबंध लगा दिया। गौरतलब है कि यह कदम अमेरिका के जवाब में उठाया गया है क्योंकि बीते दिनों अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने इन दोनों देशों को नागरिकों के अमेरिका आने पर प्रतिबंध लगा दिया था। दोनों पश्चिमी अफ्रीकी देशों के विदेश मंत्रियों ने बयान जारी कर इसकी घोषणा की। बीती 16 दिसंबर को ही अमेरिका की ट्रंप सरकार ने पहले से लागू यात्रा प्रतिबंधों को 20 और देशों तक बढ़ा दिया था, जिसमें माली, बुर्किना फासो और नाइजर जैसे देशों को भी शामिल किया गया। इन तीनों ही देशों में सैन्य शासन है। माली के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'पारस्परिकता के सिद्धांत के अनुसार, विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सूचित करता है कि तत्काल प्रभाव से माली गणराज्य की सरकार अमेरिकी नागरिकों पर वही शर्तें और आवश्यकताएं लागू करेगी जो माली के नागरिकों पर लगाई गई हैं।'

बुर्किना फासो के विदेश मंत्री करमोको जीन-मैरी ट्राओरे द्वारा हस्ताक्षरित एक अन्य बयान में बुर्किना फासो में प्रवेश करने वाले अमेरिकी नागरिकों पर प्रतिबंध के लिए भी इसी तरह के कारण बताए गए हैं।व्हाइट हाउस ने यात्रा प्रतिबंध के कारणों में से एक के रूप में सशस्त्र समूहों द्वारा लगातार हमलों का उल्लेख किया। माली और बुर्किना फासो दोनों देश, तेजी से फैल रहे सशस्त्र समूहों को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सेना ने इस क्षेत्र में फैली असुरक्षा के कारण नागरिक सरकारों को हटाने के बाद सशस्त्र समूहों से लड़ने का वादा किया था।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों यात्रा प्रतिबंधों को और सख्त करते हुए 20 और देशों के साथ-साथ फिलिस्तीनी अथॉरिटी को भी प्रतिबंध सूची में जोड़ दिया है। इससे पहले जून में अमेरिका ने 12 देशों पर पूर्ण और सात देशों पर आंशिक यात्रा प्रतिबंध लगाए थे। जून में जिन देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए गए, उनमें अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल हैं। वहीं बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा तुर्कमेनिस्तान प्रतिबंध लगाए थे।

## ड्रोन और मिसाइल कारोबार पर अमेरिका की सख्ती, ईरान-वेनेजुएला के 10 लोगों और कंपनियों पर प्रतिबंध

वॉशिंगटन ,03 जनवरी ( एजेंसी )।अमेरिका ने ईरान के ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से जुड़े आरोपों में ईरान और वेनेजुएला के 10 लोगों व कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाए। ट्रंप प्रशासन ने इसे मध्य पूर्व में अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा बताया।

अमेरिका ने ईरान के ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से जुड़े कथित नेटवर्क पर बड़ा कदम उठाते हुए ईरान और वेनेजुएला के 10 लोगों और कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह गतिविधियां अमेरिका और उसके मध्य पूर्वी सहयोगियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं।

अमेरिकी ट्रेजरी डिपार्टमेंट के मुताबिक, ये प्रतिबंध संयुक्त राष्ट्र द्वारा ईरान पर दोबारा लगाए गए प्रतिबंधों को मजबूती देने के उद्देश्य से लगाए गए हैं। इनका मकसद ईरान के परमाणु और सैन्य कार्यक्रमों पर आर्थिक दबाव बढ़ाना है। हालांकि ईरान लगातार यह दावा करता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है।

नए प्रतिबंधों की सूची में वेनेजुएला की एक कंपनी और उसके चेयरमैन का नाम शामिल है, जिन पर ईरान से ड्रोन खरीदने का आरोप है। इसके अलावा तीन ईरानी नागरिकों पर बैलिस्टिक मिसाइलों में इस्तेमाल होने वाले रसायनों की खरीद से जुड़े होने का आरोप लगाया गया है। साथ ही ईरान स्थित कुछ व्यक्ति और कंपनियां भी निशाने पर हैं, जिनका संबंध रयान फैन ग्रुप से बताया गया है। इस होल्डिंग कंपनी पर पहले ही अमेरिका प्रतिबंध लगा चुका है।गौरतलब है कि फरवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ मैक्सिमम प्रेशर यानी अधिकतम दबाव अभियान दोबारा शुरू किया था। इसका उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना बताया गया। इसी कड़ी में इस साल गर्मियों में अमेरिका ने इजरायल-

ईरान के बीच खुले संघर्ष के बाद ईरान की तीन अहम यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं पर हमले भी किए थे।

इस्राइली पीएम से बातचीत के दौरान दी थी चेतावनीइस हफ्ते ट्रंप ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फ्लोरिडा में बातचीत के दौरान ईरान को चेतावनी दी कि यदि उसने अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से खड़ा करने की कोशिश की, तो अमेरिका आगे भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के आतंकवाद और वित्तीय खुफिया मामलों के अंडरसेक्रेटरी जॉन के. हर्ली ने कहा ईरान और वेनेजुएला दुनिया भर में घातक हथियारों के प्रसार के लिए जिम्मेदार हैं। हम उन सभी लोगों और संस्थाओं के खिलाफ तेज कार्रवाई जारी रखेंगे जो ईरान के सैन्य-औद्योगिक तंत्र को अमेरिकी वित्तीय प्रणाली तक पहुंच दिलाते हैं।

वहीं अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि ईरान लगातार संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा कराकस को पारंपरिक हथियारों की आपूर्ति करना हमारे क्षेत्र में अमेरिकी हितों के लिए खतरा है। अमेरिका के इस कदम को ईरान और वेनेजुएला पर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के तौर पर देखा जा रहा है,

## इस्त्राइल ने नए साल पर गाजा के लिए बनाई योजना, नियम तोड़ने वाले कई संगठनों पर चलेगा चाबुक

यरुशलम ,03 जनवरी ( एजेंसी )। इस्त्राइल ने नए पंजीकरण नियमों का पालन न करने पर गाजा में 30 से अधिक मानवीय संगठनों की गतिविधियां निलंबित करने का फैसला किया है। डॉक्टर विदाउट बॉर्डर्स समेत कई एनजीओ ने इसे आम नागरिकों के लिए घातक बताया।

इस्त्राइल ने गाजा पट्टी में काम कर रहे कई अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठनों के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की है कि वर्ष 2026 से इन संगठनों की गतिविधियां रोक दी जाएंगी। इस्त्राइली सरकार का कहना है कि नए पंजीकरण नियमों का पालन न करने के कारण यह फैसला लिया गया है। इस फैसले की जद में डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स और सीएआरई जैसे नामी संगठन भी शामिल हैं।

इस्त्राइल के अनुसार नए नियमों का मकसद यह सुनिश्चित

करना है कि हमास या अन्य उग्रवादी संगठन मानवीय सहायता के नाम पर किसी तरह की घुसपैठ न कर सकें। हालांकि सहायता एजेंसियों का कहना है कि ये नियम मनमाने हैं और इनसे गाजा की उस आम आबादी को भारी नुकसान होगा, जो पहले से ही गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रही है।

इस्त्राइल का आरोप है कि युद्ध के दौरान हमास ने सहायता सामग्री का दुरुपयोग किया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र और कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां इस दावे को नकार चुकी हैं। इस साल की शुरुआत में लागू किए गए नए नियमों के तहत सहायता संगठनों को अपने कर्मचारियों की सूची, फंडिंग और संचालन से जुड़ी विस्तृत जानकारी इस्त्राइली अधिकारियों को देनी होगी। नए नियमों में कुछ वैचारिक शर्तें भी जोड़ी गई हैं। इनमें ऐसे संगठनों को अयोग्य ठहराने का प्रावधान है, जिन्होंने इस्त्राइल के खिलाफ बहिष्कार का समर्थन किया हो, 7 अक्तूबर के हमले को नकारा हो या इस्त्राइली नेताओं और सैनिकों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अदालतों में चल रहे मामलों का समर्थन किया हो।

इस्त्राइल के डायस्पोरा मामलों के मंत्रालय के अनुसार, गाजा में सक्रिय करीब 30 से अधिक संगठन इन शर्तों को पूरा नहीं कर पाए हैं, जो कुल संगठनों का लगभग 15 प्रतिशत हैं। मंत्रालय ने यह भी दावा किया।

कि डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने अपने कुछ कर्मचारियों के कथित तौर पर हमास या इस्लामिक जिहाद से जुड़े होने के आरोपों पर संतोषजनक जवाब नहीं दिया। डायस्पोरा मामलों के मंत्री अमीचाई चिकली ने कहा मानवीय सहायता का स्वागत है, लेकिन आतंकवाद के लिए मानवीय ढांचे के दुरुपयोग को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

## सम्पादकीय...

# कालेज के सान्निध्य में मौत

दीवारें चीख रही हैं, एक कालेज की स्याह मुट्ठी और पुलिस के टूटे हाथों में गुनाह फिसल गया। एक शार्गिद की शवयात्रा में धर्मशाला कालेज का जुलूस निकल गया। छात्रा की मौत के सौ बहाने ढूंढे जाएंगे, लेकिन सारे दर्पण आकर टूट रहे हैं। आई होंगी कई शिकायतें कालेज प्रशासन के पास और पुलिस के पास भी एक बेटी की फरियाद क्यों ढह गई, कोई नहीं जानता। मौत खुद बोली है, तो सोशल मीडिया में तैर रहीं वीडियो में हर आंख के आंसू बेचैन हैं। यह एक छोटा किस्सा नहीं, छात्रा के जीवन का विकराल अंत है। हजारों प्रश्न और अब हजारों वकील भी होंगे, लेकिन इस जुर्म के सामाजिक कारण जिंदा हैं। क्या कालेज में जातीय प्रताड़ना का मनहूस साया दौड़ता रहा या कोई अध्यापक अपनी मर्यादा भूल गया। क्या रैगिंग की कोई क्लास पूरे परिसर में चल रही थी। बीस दिसंबर की ऑनलाइन शिकायत पर पुलिस का मसखरापन ईमानदार था या हम मान लें कि उस दौरान तो पुलिस ग्राउंड की महफिल में अपराध दर्ज करना हराम था। हम नहीं जानते कि किस सत्य के आधार पर एक बेटी के परिवार को चारों तरफ रावणों की लंका दिखाई दे रही है, लेकिन मौत आने से पहले जो बयान लड़की ने अपनी जुबां से दिए, उन्हें ठुकराने की कोई वजह दिखाई नहीं देती। यहां सबसे बड़ी ताकत से सोशल मीडिया तफतीश कर रहा है, इसलिए अब केस भी दर्ज हो गया और मुद्दा सडक़ से विपक्ष का हो गया। जीवन के असहाय पन्ने अगर कालेज में बिखरे या कानून की नजर में उजड़े, तो न समाज का घर आबाद है और न ही देश का सही हाल है। एक छात्रा का वर्तमान अगर कालेज के सान्निध्य में असुरक्षित है या पूरा परिसर बीहड़ बन कर किसी बच्चे को मानसिक संताप की अति से गुजार दे, तो हमारा हिसाब न्याय नहीं। कालेज हाथ धो के बैठ सकता है कि उसकी आंखों ने कुछ नहीं देखा, उसके कानों ने कुछ नहीं सुना, लेकिन छात्रा का व्यक्तित्व इसकी राहों से गुजरा है, इसकी निगाहों से गुजरा है। अब जो आरोप सामने आए हैं, उनके आधार पर जुर्म की फेहरिस्त लंबी हो रही है, अपराध के संज्ञान में धाराएं सख्त हो रही हैं। क्या कालेज की गलियां जातिवाचक रहीं। क्या रैगिंग में संलिप्त छात्राएं सुरक्षा में रहीं और क्या कोई अध्यापक अपनी नीच हरकतों से कालेज का ईमान बेचता रहा। आखिर हो क्या रहा और होता क्या रहा। बेटी की इज्जत को पालने से डर है, तेरे हाथों में मौत सी गंध है। पिछले साल को हम प्राकृतिक आपदाओं के कारण कोसते रहे, लेकिन एक आपदा कालेज परिसर में संगठित अपराध कर रही थी। अपनी तरह से दिल हिला देने वाले इस घटनाक्रम के कई सिरे हैं और कई नासूर दिखाई देने लगे हैं। यहां माननीय विकास कुपित है और साक्षरता दर पाषाण काल की कंदराओं में ध्वस्त है। बेटी की वीडियो ही बेटी की गवाही दे रही है। इसलिए फैसलों की कीमत से पहले ही उसने मौत को गले लगाया ताकि उसकी तरह किसी अन्य बेटी को अपनी इज्जत के लिए शहादत न देनी पड़े। अब चौराहों पर फैसले आएंगे, सियासत पर फैसले आएंगे, समाज भी फैसले देगा, जबकि पुलिस कानून के फैसले पर मेहरबान हो जाएगी, लेकिन इस बेटी की मौत नए संबोधन करती रहेगी। अब अगर सजा हो भी जाए तो क्या होगा, इस सफर में एक बेटी की रूह को गिला रहेगा। कालेज छात्रा का वृत्तांत खुद कफन से निकल कर बता रहा है कि इस मौत की वजह हमारी व्यवस्था से जुड़ी है। पहली व्यवस्था समाज की दृष्टि में हमें पतित कर रही है, दूसरी शिक्षण की गलियों का पतन कर रही है, तो तीसरी प्रदेश की कानून व्यवस्था से बचें या खुद को बचाएं के बीच संघर्ष कर रही है। चारों तरफ जब अन्याय खड़ा हो, तो हम जंगल में खुद को किस भेडिय़े से बचाएं। धर्मशाला की छात्रा की मौत में कई हाथ रंगे नजर आ रहे हैं, फिर भी हम शरीफजादे कहां ढूंढ पाएंगे इस जुल्म की कोई एक कहानी। न्याय की दहलीज पर पहुंची एक मौत अपनी ही वीडियो में दे रही गवाही। देखें हम इस स्थिति से उबर कर किसका दामन पाक और किसके दामन में छेद ढूंढ पाते हैं।

# उम्मीद-ए-सहर की बात सुनो!

**अजीत द्विवेदी**

नई सुबह और नई उम्मीदों के साथ नए साल का स्वागत है। बीता हुआ साल अच्छा नहीं था। अप्रैल में पहलगाम में बड़ा आतंकवादी हमला हुआ था, जिसमें देश के अलग अलग हिस्सों के 25 बेकसूर सैलानियों और एक स्थानीय कश्मीर व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। उसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए छह और सात मई की दरम्यानी रात को आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया लेकिन दुर्भाग्य से यह ऑपरेशन पाकिस्तान के साथ सीमित युद्ध में बदल गया।

पहले के बालाकोट या उरी स्ट्राइक से उलट पाकिस्तान ने जवाबी हमला कर दिया। इसका अंत 10 नवंबर को बिल्कुल अप्रत्याशित तरीके से हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का ऐलान किया। उसके बाद से वे करीब एक सौ बार कह चुके हैं कि उन्होंने व्यापार बंद करने और टैरिफ बढ़ाने का दबाव डाल कर भारत और पाकिस्तान को सीजफायर के लिए तैयार कराया। इसके बाद साल के अंत में राजधानी दिल्ली में लाल किले के सामने कार बम धमाका हुआ, जिसमें एक दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए। इन दो घटनाओं ने सरकार के बनाए सुरक्षा नैरेटिव को पूरी तरह से बदल दिया।

जुलाई का महीना एक अलग स्ट्राइक लेकर आया, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका जाने वाले भारत के उत्पादों पर पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाया और रूस से तेल खरीदने की सजा देते हुए 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया। इसके बाद से भारतीय मुद्रा यानी रुपए में गिरावट का ऐसा सिलसिला चला है कि एक डॉलर 90 रुपए से ज्यादा का हो गया है। भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में पूरी तरह से भारत विरोधी माहौल बन गया है, जिसका फायदा पाकिस्तान और चीन दोनों उठा रही हैं। शेख हसीना के तख्तापलट और उनके भारत आने के बाद से हिंदुओं पर हो रहे हमलों में पिछले साल अचानक तेजी आई।

हिंदुओं पर हमले की दर्जनों घटनाएं हुई हैं और दिसंबर 2025 के आखिरी 15 दिन में तीन हत्याएं हुईं। वहां हालात 1971 जैसे बन रहे हैं और उसी तरह शरणार्थियों के भारत की सीमा पर जमा होने की आशंका बन गई है। नेपाल में भी सत्ता परिवर्तन हुआ और केपी शर्मा ओली का तख्तापलट करा कर जेन जी ने सुशीला कार्की को सत्ता सौंपी। एक तरह से पूरा साल भारत के लिए सामरिक नीति, कूटनीति और अर्थनीति तीनों में नैरेटिव गंवाने का रहा। दुनिया निश्चित रूप से दुविधा में रही कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में सचमुच क्या हुआ था? उधर पाकिस्तान ने दुनिया की तीनों महाशक्तियों अमेरिका, रूस और चीन का सद्भाव हासिल किया। उसके सेना प्रमुख का व्हाइट हाउस में स्वागत हुआ।

अगर घरेलू राजनीति की बात करें तो सरकार का विपक्ष के साथ टकराव बढ़ता गया है। 2024 में लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद भाजपा की जीत का जो सिलसिला हरियाणा, महाराष्ट्र में बना वह 2025 में दिल्ली और बिहार में जारी रहा। लेकिन लगातार जीत के बावजूद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व लोकसभा में बहुमत गंवाने के बाद से सहज नहीं हो पाया है। मुख्य विपक्षी पार्टी ने 'वोट चोरी' को ऐसा मुद्दा बनाया है, जिससे देश की पूरी चुनाव प्रक्रिया संदेह के घेरे में आई है। दुर्भाग्य की बात है कि चुनाव आयोग लोगों का संशय दूर करने की बजाय विपक्ष के विरोधी की तरह बरताव कर रहा है। विपक्ष की दूसरी पार्टियां 'वोट चोरी' के मामले में भले कांग्रेस के साथ पूरी तरह से सहमत नहीं हैं लेकिन संसद में चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान सबने चुनाव आयोग के पक्षपात का मुद्दा बनाया। चुनाव प्रक्रिया पर बन रहा अविश्वास अंतत: लोकतंत्र को कमजोर करेगा। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक सही कदम है लेकिन इसे जिस तरह से जल्दबाजी में लागू किया गया उससे संदेह पैदा हुआ है। 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हुई एसआईआर की प्रक्रिया में कई तरह की कमियां सामने आई हैं। भारत में राजनीति का विभाजन जितना गहरा हुआ है उसी अनुपात में समाज का विभाजन भी बढ़ा है। यह सामाजिक विभाजन लंबे समय में भारत की एकता और अखंडता को प्रभावित करने वाला होगा।

सो, नए साल में गालिब की तरह यह तो नहीं कह सकते हैं कि, 'एक बिरहमन ने कहा है कि ये साल अच्छा है', लेकिन फैज की तरह 'सहर की बात उम्मीद-ए-सहर की बात' यानी कर सकते हैं। उम्मीद कर सकते हैं कि सब कुछ ठीक होगा। भारत ने ब्रिटेन से लेकर न्यूजीलैंड कर सात देशों के साथ मुक्त व्यापार संधि की है और उम्मीद है कि नए साल में जनवरी या फरवरी में अमेरिका के साथ व्यापार संधि हो जाएगी। अमेरिका के साथ व्यापार संधि से बहुत कुछ बदलेगा। भारत का अलगाव समाप्त होगा। टैरिफ कम होगा, जिससे निर्यात बढ़ेगा और आर्थिकी पर दबाव कम होगा। यूरोपीय संघ के साथ भी भारत की व्यापार वार्ता अंतिम चरण में है। इससे भारत की आर्थिकी में एक ठहराव आने की उम्मीद है। अमेरिका के साथ व्यापार संधि होने के बाद कूटनीतिक मोर्चे पर भी भारत को निश्चित रूप से फायदा होगा। नेपाल में भी नए साल के शुरू में चुनाव होने वाले हैं। वहां भी राजनीतिक स्थिरता आती है तो भारत के लिए बेहतर होगा।

नए साल में फरवरी में बांग्लादेश में चुनाव होना वाले हैं। हालांकि शेख हसीना की आवामी लीग के चुनाव लड़ने पर पाबंदी है लेकिन बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी चुनाव लड़ रही है। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री रहीं बेगम खालिदा जिया का निधन हो गया है लेकिन उससे ठीक पहले उनके बेटे तारिक रहमान अपने वतन लौट आए और चुनाव में अपनी पार्टी बीएनपी का नेतृत्व कर रहे हैं। जनरल इरशाद की जातीय पार्टी भी मुकाबले में है। जमात ए इस्लामी भी चुनाव लड़ रही है। सो, चुनाव लड़ रही लगभग सभी पार्टियों का रुख भारत विरोधी रहा है। फिर भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनी गई सरकार के साथ संवाद बहाल बेहतर होगा और उम्मीद कर सकते हैं कि हिंदुओं पर हमले रुकेंगे। अंतरराष्ट्रीय और आर्थिक मोर्चे पर स्थिरता के बाद भी ऐसा लग रहा है कि नए साल में लेकिन घरेलू राजनीति का मैदान टकराव वाला बना रहेगा। अप्रैल और मई में पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा के चुनाव हैं।

( यह लेखक के अपने विचार है )

# दूषित जल से होने वाली मौतें और विकास

योगेंद्र योगी

केंद्र सरकार की तरफ से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक भारत अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इतनी बड़ी उपलब्धि के बावजूद देश में दूषित पेयजल जैसी बुनियादी समस्याएं विकास को मुंह चिढ़ा रही हैं। देश में स्वच्छता में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाले मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में दूषित पानी पीने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब सौ लोग बीमार हो गए। यह तस्वीर बताती है कि देश में पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान अभी कोसों दूर है। सरकारें आंकड़ों के जरिए बेशक कितनी ही उपलब्धि का दावा कर लें किन्तु जमीनी हकीकत कुछ अलग है। जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में 120वें स्थान पर है और देश के लगभग 70 प्रतिशत जल स्त्रोत प्रदूषित हैं। इंदौर में जो हुआ उसने ये शक पैदा कर दिया है कि देश में कहीं भी ऐसी 'जहरीली मौत' की सप्लाई हो सकती है। ऐसा तब होता है जब सारे नियम और मानक भुला दिए जाते हैं। भारत में सप्लाई वॉटर की गुणवत्ता और पाइपलाइनों के रखरखाव को लेकर मानक तय हैं। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स सप्लाई वाले पानी के केमिकल, फिजिकल और बायोलॉजिकल पैरामीटर्स तय करता है।

गाइडलाइंस कहती हैं कि उपभोक्ता के नल तक पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एजेंसी की जिम्मेदारी है। फिर वो सरकारी हो या प्राइवेट। गाइडलाइंस के मुताबिक पाइपलाइनों को 30 से 50 वर्ष के अंदर बदला जाना जरूरी है। अगर बार-बार लीकेज की शिकायत आती है तो बिना देरी किए पाइप बदला जाना चाहिए। इन गाइडलाइंस का कितना पालन होता है, इंदौर की घटना के बाद इस पर सवाल उठ रहे हैं। जिस पर सफाई भी दी जा रही है। जुलाई 2022 में गंदे पानी से जुड़े आंकड़े लैंसेट स्टडी में बताया गया कि भारत में करीब 1.95 लाख बस्तियों में लोग दूषित पानी पी रहे हैं। जिसकी वजह से साल 2019 में 23 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। शहर ही नहीं गांवों में भी साफ पानी की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। गंदे पानी में बैक्टीरिया, वायरस, टॉक्सिन्स और हेवी मेटल्स जैसे खतरनाक तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। अशुद्ध पानी पीने से हैजा, पीलिया, पेचिश, गले की बीमारी, टायफाइड जैसी बीमारियां हो सकती हैं। भारत में हर दिन बड़ी संख्या में लोगों को दूषित पानी पीना पड़ता है। कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत में दूषित यानी गंदा पानी पीने से हर साल दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2030 तक करीब 600 मिलियन लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ सकता है, जो देश की कुल आबादी का 40 फीसदी है। दूषित पानी की समस्या से सबसे ज्यादा दिल्ली और एनसीआर प्रभावित है। यहां की आबादी बढऩे के साथ साफ पानी की मांग बढ़ गई है, लेकिन गंदे पानी की आपूर्ति कई लोगों की सेहत को खराब कर रही है। भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

देश के कई राज्य इस समय पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु देश के ऐसे टॉप तीन राज्य हैं जहां के अधिकतर जिलों में पानी का संकट छाया हुआ है। मौजूद आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 38 जिलों के लोग पानी की किल्लत का सामना कर रहे हैं। इनमें से कई जिले ऐसे हैं, जिन्हें अति-दोहित, गंभीर और अर्ध गंभीर श्रेणी में रखा गया। इसके बाद राजस्थान में 29 और तमिलनाडु में 22 जिले हैं। केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा मूल्यांकित भारत के गतिशील भूजल संसाधनों का राष्ट्रीय संकलन 2024 की रिपोर्ट के अनुसार देश भर के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 102 जिलों को अति-दोहित, 22 जिलों को गंभीर और 69 जिलों को अर्ध गंभीर श्रेणी में रखा गया है। हरियाणा जैसे अन्य राज्यों में 16 अति दोहित जिले हैं। पंजाब में 19 अति दोहित और 1 गंभीर जिला है। नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुंच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है। वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग, आपूर्ति की दोगुनी होने की संभावना है। इससे देश में करोड़ों लोगों को जल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा तथा देश के सकल घरेलु उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि होने की संभावना है। जल संसाधन मंत्रालय के एकीकृत जल संसाधन विकास के लिए राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, उच्च उपयोग परिदृश्य में वर्ष 2050 तक जल की आवश्यकता 1180 अरब घन मीटर होने की संभावना है। देश में जल की उपलब्धता वर्तमान में 1137 अरब घन मीटर है। वर्ष 2030 तक देश की 40 प्रतिशत आबादी को पीने योग्य स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, एक व्यक्ति को अपनी आवश्यकताओं के लिए प्रतिदिन 135 लीटर जल की आवश्यकता होती है जबकि सिर्फ भारत के कुछ बड़े शहरों जैसे मुंबई, दिल्ली इत्यादि में शहरी विकास मंत्रालय के दिशा निर्देशों के बावजूद प्रति दिन प्रति व्यक्ति को 150 लीटर से अधिक जल दिया जाता है।

( यह लेखक के अपने विचार है )

## माहौल अब शांत है...

गुरमीत बेदी

जिसने जिनको पीटना था, पीट चुका है। जिसने जिनको लात मारनी थी, मार चुका है। जितना हंगामा मचना था, मच चुका है। जितनी खिल्ली उड़नी थी, उड़ चुकी है। जो एक्शन लिए जाने थे, लिए जा चुके हैं। मार-पिटाई का जो सीन पब्लिक ने देखना था, देख चुकी है। अस्पताल के भीतर भी और सडक़ों पर भी। हड़ताल-शड़ताल भी समाप्त हो चुकी है। फेसबुक पर टिप्पणियां करने वाले भी अब किसी नए घटनाक्रम का इंतजार कर रहे हैं। क्योंकि पिटाई प्रकरण अब पुराना पड़ रहा है। कानून व्यवस्था भी अब जम्हाई लेकर जागृत हो गई है। सरकारी भाषा में कहें तो स्थिति कंट्रोल में आ गई है। मीडिया की सुर्खियां अब यही बन रही हैं कि स्थिति शांत है। माहौल भी शांत है। यानी कारवां गुजर गया है और गुबार भी अब उतर गया है। सरकार अपने काम में लग गई है। विपक्ष अपने काम में लग गया है। फेसबुकिया अपने काम में लग गए हैं। अब शांति है। इतनी शांति कि अगर कोई सच बोल दे तो वह शांति भंग करने वाला घोषित हो जाए। इतनी शांति कि सवाल पूछने वाला 'एजेंडा' वाला कहलाए और जवाब देने वाला 'जिम्मेदार'। शहर में पोस्टर उतर चुके हैं, नारों की आवाज भी बैठ गई है। जिन हाथों में डंडे थे, उनमें अब चाय के कुल्हड़ हैं और जिन जुबानों में आग थी, वे अब मौसम की बात कर रही हैं। घायलों के बदन पर पट्टियां बंध गई हैं, लेकिन सिस्टम के घाव खुले ही हैं। अस्पताल की पर्चियां फाइलों में दब गई हैं और फाइलें अलमारियों में। जांच बैठ गई है- मतलब कुर्सी पर। जांच के नाम पर बैठी जांच, अब बैठी ही रहेगी, क्योंकि खड़े होकर सच ढूंढना पड़ता है और बैठकर सिर्फ तारीखें मिलती हैं।

मीडिया ने भी राहत की सांस ली है। ब्रेकिंग न्यूज की धडक़न अब नॉर्मल हो गई है। स्टूडियो में बहस का तापमान कम कर दिया गया है। एंकरों ने भी टाई ढीली कर ली है। वे जानते हैं कि शांति में सवाल नहीं पूछे जाते, शांति में विज्ञापन चलते हैं। सरकार ने बयान दे दिया है। बयान देने के बाद बयान की जरूरत नहीं रहती। विपक्ष ने विरोध कर लिया है- मतलब ट्वीट कर लिया है। सडक़ पर जाने की जरूरत नहीं, सडक़ पर तो वैसे भी गड्ढे हैं। न्याय अपने रास्ते पर है, इतना लंबा रास्ता कि चलते-चलते थक जाए और कहीं बैठ जाए। पब्लिक भी समझदार है। उसने तमाशा देख लिया, वीडियो फॉरवर्ड कर दिए, गुस्सा निकाल लिया। अब वह अपने काम पर लौट आई है। अगले तमाशे तक। क्योंकि इस देश में घटनाएं नहीं होतीं, सीरीज चलती हैं। एक खत्म, दूसरा शुरू। और अंत में वही पंक्ति दोहराई जाती है- 'माहौल अब शांत है।' यह पंक्ति इतनी बार बोली जाती है कि सच भी शर्म से चुप हो जाता है। क्योंकि जब माहौल शांत बताया जा रहा होता है, तब असल में सिर्फ आवाजें बंद की जा रही होती हैं। समस्याएं नहीं। समस्याएं फाइलों के भीतर कसमसा रही होती हैं। नेता लोग फाइलों के ऊपर सो रहे होते हैं। कई बार सदन में भी बहस के बीच सो रहे होते हैं। सो जाना, मतलब समस्याओं से आंख मूंद लेना। मतलब नीरो चैन की बंसी बजाने लगा है। बंसी बजती है तो लगता है माहौल शांत है। बस, सवाल सो रहे हैं।

# नए साल का संदेश: हौसला नहीं छोड़ना !

**शकील अख्तर**

नया साल उत्साह भरता है। पर देखे नए साल का भी कोई पाइंट ऐसा नहीं होना चाहिए जहां से आप आगे बढ़ सकें। हर चीज में शक पैदा कर दो उसे अस्वीकार्य घोषित कर दो ताकि सिर्फ ढलान ही ढलान बचे। अब कविता बना रहे है कि ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं। हिम्मत होती तो आईटी सेल इसे लिखने वाले के नाम से प्रचारित करता। मगर इनका एक कवि नहीं जिसका नाम हो और उस नाम से कविता एकदम से क्लिक कर जाए। ज्तभी दिनकर के नाम की मिलावटी तुकबंदी है।

नया साल नए साल जैसा ही होना चाहिए। उम्मीदों का और हौसलों का। 2025 गया। ऐसे ही कुछ और साल भी देश और समाज को पीछे जाते देखते हुए गुजर गए।!

शुरु में, 2014 में इतने बुरे की आशंका किसी को नहीं थी। भाजपा आरएसएस के विचार सबको मालूम थे मगर सिर्फ चुनाव जीतना ही सब कुछ होगा बाकी देश की कोई चिन्ता नहीं होगी यह तो तब शायद ही कोई सोच पाया था।

मगर इसके बावजूद अगर हम वापसी की बात कर रहे हैं तो कोई बहुत अनोखी बात नहीं है। मानव स्वभाव ही बेहतरी की भावना से संचालित होता है। अगर ऐसा नहीं होता तो अंग्रेजों की गुलामी के दौर में देश में आजादी की भावना बलवती नहीं होती।

110 साल पहले विदेश से गांधी जब वापस भारत आए तब देश की क्या हालत थी? सोया हुआ था।

निराश। नियति को स्वीकार कर चुका था। 1857 के बाद हुए अंग्रेजों के दमन के जख्म भरे नहीं थे। आजादी की वह पहली लड़ाई लड़ने वालों की पीढ़ी में से कई लोग जिन्दा थे। दिल्ली जहां सबसे ज्यादा दमन हुआ था वहां से लोगों को पलायन करना पड़ा था वह देश के दूसरो हिस्सों में जाकर उस समय अंग्रेजों द्वारा ढाए गए जुल्मों की कहानियां सुनाते थे।

उस सबकी दहशत लोगों में बैठी थी। तब 1915 में इसी जनवरी महीने में गांधी दक्षिण अफ्रीका से वापस भारत लौटे थे। और फिर आगे की कहानी सब को मालूम है कि निराश हताश और भय में जी रहे लोगों को गांधी ने कैसे जगाया।

तो उम्मीद लोगों का स्वभाव है। डर से निकलना भी चाहता है। डर में दुबक के बैठे रहना सुरक्षा का अहसास देता है। मगर वह वास्तविक सुरक्षा नहीं होती। डर का घेरा और तंग होता जाता है और व्यक्ति और सिमटता जाता है।

नया साल उत्साह भरता है। आप देख रहे होंगे कि नए साल का विरोध भी इसीलिए और तेज होता जा रहा है। कोई पाइंट ऐसा नहीं होना चाहिए जहां से आप आगे बढ़ सकें। हर चीज में शक पैदा कर दो उसे अस्वीकार्य घोषित कर दो ताकि सिर्फ ढलान ही ढलान बचे।

वह कविता, सस्ती कविता भी बना दी है। ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं। हिम्मत होती तो आईटी सेल इसे लिखने वाले के नाम से प्रचारित करता। मगर अपना कोई कवि ही ऐसा है नहीं जिसका नाम हो जिसके नाम से कविता एकदम से क्लिक कर जाए तो इसे दिनकर के नाम से प्रचारित करते हैं। पूरा नाम लिखकर राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर। हद तो यह है कि एआई ( आर्टिफिशियल इन्टिलिजेन्स ) भी इस सतही कविता को दिनकर के नाम से ही बता रहा है।

अब भाजपा आरएसएस का प्रचार तंत्र यह तो नहीं बताएगा कि दिनकर की असली कविता तो यह है -

गांधी का पी रुधिर जवाहर पर फुंफकार रहे हैं!

देखिए कितनी दूर तक देखा था दिनकर ने। 1962 में लिखा था। 60 साल से ज्यादा हो गए अभी भी जवाहर ही मुख्य निशाने पर है। जवाहरलाल नेहरू। कितने सही शब्द का इस्तेमाल किया था फुंफकार रहे हैं। फुंफकारना क्या होता है? बिना कारण लगातार जहर फैंकना।

तो दिनकर की असली कविता यह है। मगर उनके नाम को यूज करना है। उसके जरिए अपने प्रतिक्रियावादी सिर्फ विरोध करने वाले विचारों को स्थापित करना है तो नए साल का विरोध उनके नाम से किया जा रहा है।

नया साल मतलब साल की शुरूआत। यानि उम्मीदों की भी। और उम्मीद तोड़ना ही यथास्थितिवाद फैलाना ही इनका मूल उद्देश्य है।

तो अगर आगे बढ़ना है वापस दुनिया में भारत का नाम बनाना है तो हिम्मत और हौसले को बनाए रखना होगा।

बीते साल की नाकामयाबियों पर लिखने को बहुत कुछ है। क्या क्या लिखें? अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि खराब हुई है। अभी जाते हुए साल में न्यूयार्क टाइम्स ने पेज वन पर आरएसएस का कच्चा चिट्ठा खोल दिया है। यहां आरएसएस कहती है हमें इस नजरिए से मत देखो उस नजरिए से मत देखो, आप हमें जानते नहीं हो उधर न्यूयार्क टाइम्स ने लाठियां लिए आरएसएस के स्वयंसेवकों की बड़ी सी तस्वीर और प्रधानमंत्र मोदी का फोटो छापकर लिख दिया कि आरएसएस भारत को लोकतंत्र के उजाले से दूर करके अंधेरे की तरफ ले जा रहा है।

भारत की संवैधानिक संस्थाएं जो भारत की मजबूती का आधार था उन्हें ध्वस्त कर दिया गया है। सर्वधर्म समभाव या भारत की जो धर्मनिरपेक्ष छवि थी उसे गहरा आघात लगा है। इससे पहले बीबीसी आरएसएस पर डाक्यूमैंट्री बना चुका है। जिसे भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया और बीबीसी के दफ्तरों पर छापे मारे गए।

अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर एक तरफ यह हाल है दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भारतीयों को हथकड़ी बेड़ी पहनाकर भारत भेजने के साथ मुहावरे में नहीं वास्तव में पचास बार से ज्यादा यह कह चुके हैं कि व्यापार की धमकी देकर मैंने भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाया। और इतना ही नहीं 8 लड़ाकू विमान गिरे वाली बात वे इस तरह कहते हैं जैसे भारत के गिरे हों। पाकिस्तान की तारीफ करते हैं। वहां के आर्मी चीफ मुनीर जो पहलगाम के आतंकवादी हमले के जिम्मेदार है उन्हें लंच पर बुलाते है।

मतलब गुजरे साल मई में हुए आपरेशन सिंदूर के बाद से अब तक उन्होंने कोई मौका नहीं छोड़ा जब भारत का अपमान नहीं किया हो। मगर आश्चर्य है कि एक बार भी हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने उनका प्रतिकार नहीं किया। क्या डर है? भारत इतना डरा हुआ तो कभी नहीं था। एक प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी भी थीं जो आंख में आंख डालकर अमेरिका के राष्ट्रपति से बात करती थीं। सैनिक शक्ति का रौब दिखाने पर कहती थीं कि सातवां बेड़ा नहीं आठवां भी भेज दो। भारत नहीं डरेगा।

यह तो हुई अन्तरराष्ट्रीय स्तर की बात जहां भारत कमजोर हुआ है और उसकी छवि खराब।

और इधर देश में क्या हुआ? साढ़े 11 साल की नफरत और विभाजन की आग अब सब जगह पहुंच गई है। दलित, पिछड़े, आदिवासी, मुस्लिम, महिला तो छोड़ दीजिए जिनसे यह कहते थे कि हम तुम्हारे लिए ही काम कर रहे हैं उन ब्राह्मण और राजपूतों के बीच भी नफरत और वैमनस्य पैदा कर दिया। यूपी में भाजपा के ब्राह्मण विधायकों को बैठक करने पर पार्टी की तरफ से चेतवानी दी जा रही है। जबकि इससे पहले राजपूत विधायक बैठक कर चुके थे।

मतलब इनके नफरत के जहर से कोई नहीं बचा है। महिला के बारे में हाल यह है कि उसकी सुरक्षा तो छोड़ दीजिए आज ऐसी स्थिति ले आए हैं कि लोग बलात्कार का समर्थन करने लगे। निर्भया के समय कोई सोच सकता था? उसी समय उठा कर अंदर कर दिया जाता।

देश की अंदरुनी हालत पर लिखने के इतने पाइंट हैं कि अख़बार में यह थोड़ी सी जगह नहीं पूरा पेज ही मांगना पड़ेगा। ऐसा कभी नहीं हुआ जो खुले आम तलवारें बांटी जा रही हैं। नार्थ ईस्ट का लड़का उत्तराखंड में यह कहते कहते मर जाता है कि वह भारतीय हैं। लींचिंग ( पीट पीट कर मार डालना ) पहले कभी सुनी भी नहीं गई थी। और अब हालत यह है कि लींचिंग होती है और उसके बाद सरकार कोर्ट में जाकर कहती है कि जो आरोपी हैं वह उनके खिलाफ केस वापस लेना चाहती है।

वह तो शुक्र करो की अदालत ने जो पहली लींचिंग 2015 में अखलाक की हुई थी उस मामले में केस वापस लेने के यूपी सरकार की अपील को रिजेक्ट कर दिया नहीं तो इसमें और तेजी आती। और याद रखिए कि लींचिंग के शिकार केवल मुस्लिम ही नहीं हैं। अभी यह नार्थ ईस्ट का युवा एंजेल चकमा मारा गया। उससे पहले 12वीं कक्षा का छात्र आर्यन मिश्रा मारा गया। और लड़के की हत्या के बाद उसके पिता सियानंद मिश्रा पर इतना दबाव डाला गया कि वे हरियाणा छोड़कर जाने की बात करने लगे।

पूरी कानून व्यवस्था इन्होंने अपने हाथों में ले ली है। सरकार में हिम्मत नहीं है कि इनके खिलाफ बोल सके। बरेली में एक छात्रा की बर्थडे पार्टी में घुसकर मारपीट करने वाला रिषभ ठाकुर पुलिस को चैलेंज कर रहा है कि हमसे पंगा मत लेना पता भी नहीं चलेगा कि कहां गए! यूपी में ही इंसपेक्टर सुबोध सिंह को गौ रक्षकों ने मार डाला था।

यह हालत है। मगर क्या इसको स्वीकार कर लें? नहीं। नए साल से उम्मीदें बरकरार हैं। पुराने प्रेम-सद्भाव भाईचारे के दिनों की वापसी की।

( यह लेखक के अपने विचार है )

# दिल्ली में रील्स छोड़ प्रकृति से जुड़ रहे बच्चे, पैरेंट्स की भी पहली पसंद बनी फोटोग्राफी वॉक

दक्षिणी दिल्ली, 03 जनवरी [ एजेंसी ]। वाओ॰ देखो मैंने तितली की फोटो क्लिक की है, कितनी सुंदर लग रही है! ये फूल कितने प्यारे हैं, इनकी भी तस्वीर ले लूं? पेड़ पर बैठी चिड़िया साफ कैसे दिखेगी, फोटो कैसे क्लिक करूं ऐसे ढेरों मासूम सवाल, आंखों में चमक और चेहरे पर उत्साह- कुछ ऐसा ही नजारा बच्चों के लिए आयोजित खास फोटो वॉक में देखने को मिलता है।

यह कोई पारंपरिक कक्षा नहीं, जहां ब्लैकबोर्ड और बेंच हों, बल्कि खुला पार्क ही पाठशाला बन जाता है। बच्चों के हाथों में मोबाइल या कैमरा होता है, लेकिन रील्स देखने के लिए नहीं, प्रकृति के छोटे-छोटे पलों को सहेजने के लिए। सवाल सिर्फ तस्वीर लेने के नहीं होते, बल्कि देखने, समझने और महसूस करने के होते हैं। मोबाइल स्क्रीन पर थमी उंगलियों और तेजी से बदलती रील्स की दुनिया से निकलकर अब दिल्ली-एनसीआर के बच्चे खुली हवा में सांस ले रहे हैं और कैमरे की नजर से असली दुनिया को पहचानना सीख रहे हैं। वीकेंड पर गैजेट्स से दूरी और प्रकृति से नजदीकी बढ़ाने के लिए बच्चों के लिए आयोजित ये फोटो वॉक अभिभावकों की भी पहली पसंद बनती जा रही हैं- जहां खुशी, सीख, और रचनात्मकता एक साथ कदमताल करते हैं।सुंदर नर्सरी, लोधी गार्डन और डियर पार्क जैसे हरियाली से भरपूर स्थान अब इन ओपन-एयर फोटोग्राफी पाठशालाओं के पसंदीदा ठिकाने बन चुके हैं। यहां बच्चे सिर्फ तस्वीरें नहीं खींचते, बल्कि रोशनी, रंग, छाया और फ्रेम के साथ-साथ प्रकृति की धड़कन को महसूस करना भी सीखते हैं।पत्तियों की नाजुक बनावट, फूलों के गहरे-



हल्के रंग, धूप-छांव की लकीरें, हवा में उड़ते पक्षी और आसमान के बदलते रंगों को कैमरे में कैद करते हैं और इस पूरी प्रक्रिया में सिर्फ तस्वीरें नहीं लेते, प्रकृति से संवाद करना सीखते हैं।पत्तियों पर ठहरी ओस की चमक हो या आसमान में पंख फैलाकर उड़ते पक्षी, बदलता मौसम हो या खुला नीला आसमान- सब कुछ मानो बच्चों के कैमरे और मन, दोनों में एक साथ उतर जाता है। प्रकृति का हर दृश्य, हर पल उनके जेहन में एक नए पाठ की तरह दर्ज हो जाता है।इन फोटो वॉक का मकसद बच्चों के हाथ में कैमरा थमाना भर नहीं, बल्कि उन्हें प्रकृति से सीखने का मौका देना है। यहां प्रशिक्षक बच्चों को धैर्य, अवलोकन और संवेदनशीलता का महत्व समझाते हैं और बताते हैं कि कैसे एक अच्छी तस्वीर लेने से पहले ठहरना, देखना और महसूस करना जरूरी है।यही सीख उन्हें स्क्रीन की दुनिया से बाहर निकालकर प्रकृति की सहज लय से जोड़ती है। अभिभावकों के लिए भी यह पहल सुकून से भरी है, क्योंकि यहां बच्चे मनोरंजन के साथ सीखते हैं, रचनात्मक बनते हैं और आत्मविश्वास के साथ प्रकृति का पाठ पढ़ते हैं। अभिभावकों का मानना है कि जहां आमतौर पर बच्चों का वीकेंड मोबाइल और टीवी के इर्द-गिर्द सिमट जाता है, वहीं फोटो वॉक उन्हें खुली हवा, हरियाली और रचनात्मक माहौल देती है।

'फोटोग्राफी फार किड्स' की कोच और फाउंडर प्रिया गोस्वामी बताती हैं कि 'पाज, क्लिक एंड रिफ्लेक्ट' खास तौर पर बच्चों के लिए क्यूरेट की गई फोटो वॉक है, जिसे पिछले चार सालों से दिल्ली-एनसीआर में आयोजित कर रही हूं।इस कार्यशाला में 7 से 15 साल तक के बच्चे भाग लेते हैं

और वॉक और टूर के जरिए सीखते हैं। कैमरे या स्मार्टफोन से वो दुनिया को नए नजरिये से एक्सप्लोर करते हैं। इसका मकसद बच्चों की कल्पनाशक्ति जगाना, सोचने-समझने की क्षमता निखारना, परखने और अभिव्यक्ति की कला विकसित करना और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।बच्चों की उत्सुकता देखकर बेहद खुशी मिलती है, और अभिभावकों को यह सुकून रहता है कि उनके बच्चे रचनात्मक ढंग से कुछ सीख रहे हैं। मकसद है कि बच्चे सिर्फ तस्वीरें न लें, बल्कि अपने आसपास की दुनिया को समझें और महसूस करें।

चार जनवरी को सुंदर नर्सरी में अगली फोटो वॉक आयोजित होगी।कुल मिलाकर इन फोटो वॉक में रील्स की चकाचौंध से बाहर निकलकर ये छोटे फोटोग्राफर रियल दुनिया की खूबसूरती को खोजते हैं- जहां हर क्लिक सिर्फ एक तस्वीर नहीं, एक एहसास, एक सीख और एक याद बन जाता है।

## बिहार में 20-25 हजार में मिल जाती हैं लड़कियां, कुवारों के लिए... कैबिनेट मंत्री के पति के विवादित बयान से चढ़ा सियासी पारा

अल्मोड़ा,03 जनवरी ( एजेंसी )। सोमेश्वर विधायक व कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू का एक विवादित बयान सामने आने के बाद प्रदेश की राजनीति में हलचल मच गई है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में साहू बिहार को लेकर महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं, जिसे लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।वायरल वीडियो में गिरधारी लाल साहू यह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि बिहार में 20-25 हजार रुपये में लड़कियां मिल जाती हैं, कुंवारों के लिए बिहार से लड़कियां लेकर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह वीडियो अल्मोड़ा जिले की सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्याहीदेवी मंडल में आयोजित एक कार्यक्रम का है, जहां 23 दिसंबर को साहू ने शिरकत की थी।इस टिप्पणी के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। बड़ी संख्या में लोग वीडियो को साझा करते हुए साहू की मानसिकता पर सवाल उठा रहे हैं और इसे महिलाओं के सम्मान के खिलाफ बता रहे हैं। मामले ने राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया है। फिलहाल इस बयान को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं और विपक्षी दलों द्वारा सत्तारूढ़ दल को घेरने की तैयारी की जा रही है। वहीं, वायरल वीडियो को लेकर अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि संबंधित व्यक्ति और सरकार की ओर से क्या प्रतिक्रिया सामने आती है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुड्डू भोज ने बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की टिप्पणी भाजपा सरकार के बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ जैसे नारों की सच्चाई उजागर करती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को वस्तु की तरह देखने वाली सोच किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है।

## नववर्ष का जश्न मना रहे लोगों पर यूक्रेन का हमला 24 लोगों की मौत, रूस ने आतंकी घटना बताया

मॉस्को, 03 जनवरी [ एजेंसी ]। रूस के कब्जे वाले खेरसान के एक गांव पर बुधवार-गुरुवार रात यूक्रेन के ड्रोन हमले में 24 लोग मारे गए हैं। यह हमला तब हुआ जब गांव में स्थित होटल और उससे जुड़े कैफे में आसपास के लोग नववर्ष का जश्न मना रहे थे। जबकि यूक्रेनी सेना ने कहा है कि रूसी सेना यूक्रेन के शहरों पर हमले कर निर्दोष लोगों को मार रही है, ताजा हमला भी उनमें से एक है। लेकिन इस खास हमले के बारे में समाचार एजेंसी के पूछे सवाल का यूक्रेनी सेना ने कोई जवाब नहीं दिया है। रूस के नियंत्रण वाले खेरसान क्षेत्र के गवर्नर व्लादिमीर साल्दो ने यूक्रेनी ड्रोन हमले के बारे में जानकारी दी है। इसके बाद रूसी विदेश मंत्रालय ने इसे यूक्रेन का आतंकी हमला करार देते हुए उसकी निंदा की।गवर्नर साल्दो द्वारा मीडिया को उपलब्ध कराई गई तस्वीरों में हमले से जल रही होटल की इमारत दिखाई दे रही है और उसकी



जमीन पर खून के निशान दिखाई दे रहे हैं। तस्वीरों में एक व्यक्ति का शव भी दिखाई दे रहा है। रूसी विदेश मंत्रालय ने बताया है कि यूक्रेनी हमले 24 लोग मारे गए और 50 लोग घायल हुए हैं। प्रवक्ता



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में प्रगति ( प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन ) की 50वीं बैठक की अध्यक्षता की।

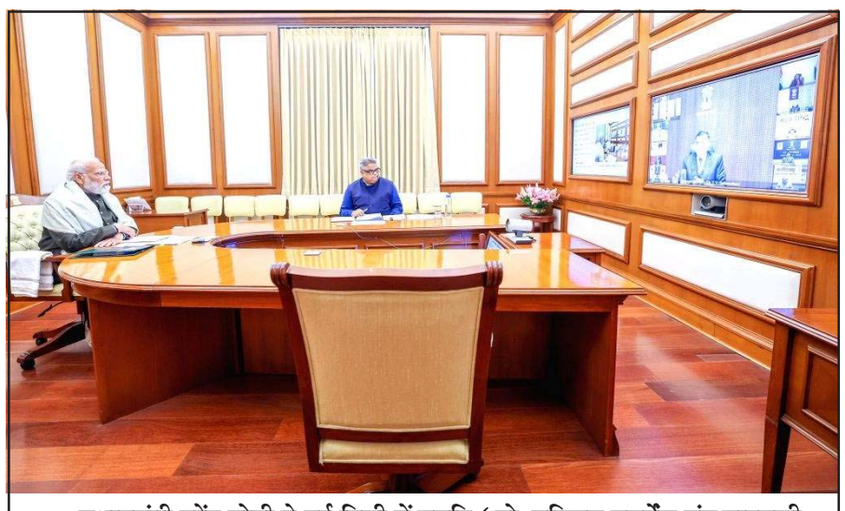

## केंद्र सरकार ने इस पेनकिलर दवा के निर्माण पर लगाया बैन

नई दिल्ली ,03 जनवरी ( एजेंसी )। केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य सुरक्षा के मद्देनजर एक अहम फैसला लेते हुए लोकप्रिय दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड ( ह्ड्डद्वद्गह्यह्वद्यद्बस्त्रद्ग ) के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। सरकार ने इस दवा के निर्माण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है।

जारी आदेशों के मुताबिक, सिर्फ निर्माण ही नहीं, बल्कि इस दवा की बिक्री पर भी नई सीमा तय की गई है।

## भारतीय रेलवे की बड़ी उपलब्धि, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पर परीक्षण सफल

नई दिल्ली ,03 जनवरी ( एजेंसी )। भारतीय रेलवे ने बुधवार को स्वदेशी रूप से विकसित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का अंतिम हाई-स्पीड परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। यह भारत को आधुनिक और आत्मनिर्भर रेल तकनीक की दिशा में आगे बढ़ाने वाला एक बड़ा कदम माना जा रहा है। यह परीक्षण कोटा-नागदा रेल सेक्शन पर रेलवे सुरक्षा आयुक्त की निगरानी में किया गया, जहां ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार हासिल की। रेल मंत्रालय के अनुसार, ट्रेन ने सभी सुरक्षा और तकनीकी मानकों पर अच्छा प्रदर्शन किया और परीक्षण को पूरी तरह सफल घोषित किया गया।तेज रफ्तार के दौरान ट्रेन की स्थिरता, कंपन, ब्रेकिंग सिस्टम, आपातकालीन ब्रेक, और अन्य जरूरी सुरक्षा सुविधाओं की गहन जांच की गई, जिसमें पाया गया कि ट्रेन तेज गति पर भी पूरी तरह सुरक्षित और संतुलित रही। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस परीक्षण का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो में ट्रेन को 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलते हुए दिखाया गया।वीडियो में एक पानी से भरे गिलास का परीक्षण भी दिखाया गया, जिसमें तेज रफ्तार के बावजूद पानी नहीं गिरा। इससे ट्रेन की बेहतर सस्पेंशन प्रणाली और आरामदायक यात्रा की गुणवत्ता साफ दिखाई दी। 16 कोच वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को लंबी दूरी की यात्रा के लिए तैयार किया गया है। इसमें यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।इस ट्रेन में आरामदायक स्लीपर बर्थ, ऑटोमैटिक दरवाजे, बेहतर सस्पेंशन, ` ( अग्निरोधी ) दरवाजे मौजूद हैं।

# वसुधैव कुटुंबकम के हिमायती समाज में पारिवारिक विवाद विडंबनापूर्ण

**हाई कोर्ट ने खारिज कर दी याचिका**

मुंबई, 03 जनवरी [ एजेंसी ]। बांबे हाई कोर्ट ने समाज की इस विडंबना पर दुख जताया है जो दुनियाभर में वसुधैव कुटुंबकम की हिमायत करता है और उसके अपने ही घरों में विरासत को लेकर झगड़े होते हैं। संपत्ति के अंतहीन विवादों को प्राचीन मूल्यों और आधुनिक वास्तविकता के बीच जुड़ाव की कमी का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कोर्ट ने उम्मीद जताई कि समाज के व्यापक हित में कटु व लंबे समय तक चलने वाले पारिवारिक मुकदमों में कमी आएगी। जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस अद्वैत सेठना की पीठ ने इस हफ्ते की शुरुआत में दिए फैसले में एक बेटी की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपनी दिवंगत मां की वसीयत के संबंध में लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन ( संपत्ति के प्रबंधन का अधिकार पत्र ) जारी करने की मांग की थी, जिसमें उपनगरीय बांद्रा में परिवार की संपत्ति उसे और उसके दो भाइयों को दी गई थी।दो अन्य भाइयों, जिन्हें वसीयत से बाहर रखा गया था, ने अपनी मां की वसीयत पर संदेह जताया था और दावा किया था कि यह प्रभाव डालकर और मिलीभगत से बनाई गई थी। इन दोनों भाइयों को मां की वसीयत से पहले बनी पिता की वसीयत में संपत्ति के एक्जीक्यूटर के रूप में नामित किया गया था।

कोर्ट ने मां की वसीयत के संबंध में लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन जारी करने से इन्कार करते हुए कहा कि उसकी राय में इस वसीयत के संबंध में संदिग्ध व संदेहास्पद परिस्थितियां मौजूद हैं। याचिका



के मुताबिक, अपीलकर्ता के माता-पिता की शादी 1933 में हुई थी और उनके छह बच्चे ( पांच बेटे और एक बेटी ) थे। 1976 में अपीलकर्ता के पिता की मृत्यु हो गई और उन्होंने अपनी वसीयत में अपनी पत्नी व दो बेटों को संपत्ति का एक्जीक्यूटर एवं ट्रस्टी बनाया था।1987 में मां की मृत्यु हो गई और उन्होंने एक वसीयत छोड़ी जिसमें उन्होंने अपनी संपत्ति अपनी बेटी व दो अन्य बेटों को दी। जिन दो बेटों को शुरू में पिता की वसीयत में ट्रस्टी बनाया गया था, उन्होंने दावा किया कि उनकी मां की वसीयत अस्पष्ट थी और उसमें यह नहीं बताया गया था कि उन्हें वसीयत से क्यों बाहर रखा गया।

## इंदौर में नहीं थम रहा दूषित पानी से मौत का सिलसिला, एक की और जान गई

इंदौर, 03 जनवरी [ एजेंसी ]। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में दूषित पानी से मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को कुलकर्णी नगर निवासी 43 वर्षीय अरविंद लिखार की उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके साथ ही दूषित पानी से मरने वालों की संख्या 14 पहुंच गई है।अरविंद भागीरथपुरा में मजदूरी करते थे। बता दें कि गत मंगलवार को आठ लोगों की जान चली गई थी। अब तक करीब 2800 मरीज सामने आए हैं। इनमें से 201 का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। 32 मरीज आइसीयू में भर्ती हैं। शहर के भागीरथपुरा से लिए गए पानी के सैंपलों की जांच रिपोर्ट गुरुवार को सामने आ गई। एमजीएम मेडिकल कॉलेज और नगर निगम की लैब, दोनों ने पुष्टि की है कि रहवासी नर्मदा जल समझकर जो पानी पी रहे थे, उसमें ड्रेनेज मिला हुआ था। पानी में खतरनाक बैक्टीरिया पाए गए हैं जो इस्तेमाल के लायक भी नहीं था।कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने गुरुवार को चार मृतकों के स्वजन को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि के चेक सौंपे। इस दौरान रहवासियों ने नाराजगी जताई और कहा कि शासन वास्तविक मौतों से कम आंकड़ा मान रहा है। विजयवर्गीय ने स्वीकार किया कि वास्तविक संख्या अधिक हो सकती है और डायरिया से हुई मौतों की जांच कर सहायता दी जाएगी।मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ( एनएचआरसी ) ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया है और दो सप्ताह में मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने कहा कि खबरों के मुताबिक लोग लगातार दूषित पानी की शिकायत कर रहे, लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इंदौर में दूषित पानी पीने से कई लोगों की मृत्यु को लेकर केंद्र व मध्य प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह घटना सरकार की लापरवाही और नाकामी का जीता-जागता उदाहरण है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने कहा था कि मां गंगा को साफ करेंगे। गुरुवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि आज अगर कोई मां गंगा का पानी पी ले तो बीमार पड़ जाएगा और अगर कोई दिल्ली में यमुना नदी में नहा ले तो उसे खुजली हो जाएगी। हम ऐसे लोगों से क्या उम्मीद कर सकते हैं, जो नदियों को साफ करने के बारे में झूठ बोलते हैं और जो अरावली पहाड़ियों को काटने के लिए तैयार हैं? जहां सरकार विकसित भारत का सपना दिखा रही है, वहां लोग गंदा पानी पीने से मर रहे हैं। क्या यही विकास है?

# पीएम मोदी के परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के लिए तीन करोड़ रजिस्ट्रेशन, इस दिन टेलिकास्ट होगा संस्करण

नई दिल्ली 03 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वार्षिक परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के नौवें संस्करण में शामिल होने के लिए तीन करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया है। इसमें छात्र, शिक्षक और अभिभावक हिस्सा ले सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक प्रतिभागियों के चयन के लिए एक दिसंबर से 11 जनवरी के बीच माईगव पोर्टल पर बहुविकल्पीय प्रश्नों से संबंधित आनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में छठवीं से 12वीं तक के छात्र, शिक्षक और माता-पिता इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक इस महीने के अंत में आयोजित की जानेवाले इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तीन करोड़ से ज्यादा पंजीकरण प्राप्त हुए हैं। परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आठवां संस्करण पिछले साल 10 फरवरी को टेलिकास्ट किया गया था। वार्तालाप को राष्ट्रीय



राजधानी के सुंदर नर्सरी में एक नवोन्मेषी नए प्रारूप में आयोजित किया गया था, जिसमें अलग-अलग प्रांतों से केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, सैनिक स्कूलों, एकलव्य माडल आवासीय स्कूलों और सीबीएसई स्कूलों के कुल 36 छात्रों ने हिस्सा लिया था। संस्करण में सात अलग-अलग विषयों, खेल, मानसिक स्वास्थ्य, पोषण, तकनीक, वित्त, रचनात्मकता और सकारात्मकता से जुड़े पहलुओं को लिए एपिसोड भी तैयार किए गए थे, जिसमें चर्चित हस्तियों के विचार भी शामिल थे।2025 के परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में 245 देशों के छात्रों ने हिस्सा लिया था, जबकि 153 देशों के शिक्षक और 149 देशों के अभिभावकों ने भी हिस्सा लिया था। विश्व रिकार्ड बनानेवाले इस कार्यक्रम को गिनीज बुक भी दर्ज किया गया था।मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक इस महीने के अंत में आयोजित की जानेवाले इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तीन करोड़ से ज्यादा पंजीकरण प्राप्त हुए हैं।

## 8वें वेतन आयोग से लेकर क्रेडिट स्कोर तक, जनवरी से बदल जाएंगे देश के बड़े नियम

नई दिल्ली ,03 जनवरी ( एजेंसी )। 2026 शुरू होने में कुछ ही घंटों का समय बचा हुआ है। हर साल ही शुरुआत में कुछ नए नियम लागू होते हैं, जिनका असर सीधे तौर पर आम आदमी की जिंदगी पर पड़ता है। ऐसे ही कुछ नियम एक जनवरी से लागू होने वाले हैं।8वां वेतन आयोग एक जनवरी, 2026 से लागू हो जाएगा। केंद्र सरकार इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है। इससे प्रत्यक्ष तौर पर करीब 50 लाख कर्मचारियों और लगभग 69 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा।

## राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से करने पर भड़की भाजपा, हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप



चेन्नई, 03 जनवरी [ एजेंसी ]। भाजपा के प्रवक्ता सीआर केसवान ने गुरुवार को महाराष्ट्र कांग्रेस के विधायक नाना पटोले के उस बयान की निंदा की, जिसमें उन्होंने लोकसभा के नेता राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से की थी। उन्होंने इसे हिंदू भावनाओं का गंभीर अपमान करार दिया।भाजपा नेता ने एक्स पर पोस्ट में नाना पटोले से पूछा कि राहुल गांधी ने अब तक अयोध्या राम मंदिर का दौरा क्यों नहीं किया। सीआर केसवान ने एक्स पर लिखा, नाना पटोले द्वारा भगवान राम की तुलना राहुल गांधी से करना करोड़ों हिंदू भक्तों की आस्था और भावनाओं के प्रति एक अक्षम्य, गंभीर अपमान है। नाना पटोले ने पहले हमारे माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राम मंदिर दौरे के बाद अयोध्या राम मंदिर के शुद्धिकरण की अपमानजनक मांग की

## बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय, भाजपा ने टीएमसी पर बोला हमला

नई दिल्ली,03 जनवरी ( एजेंसी )। भाजपा के सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए राज्य में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने का आरोप लगाया। यह हमला दक्षिण 24 परगना जिले के भांगनमारी गांव में महिलाओं की बर्बर पिटाई की रिपोर्टों के बाद किया गया। भाजपा नेता त्रिवेदी ने कहा कि यह घटना राज्य भर में लोगों को गंभीर रूप से परेशान कर रही है और वर्तमान शासन के तहत महिलाओं की सुरक्षा में गिरावट को दर्शाती है। त्रिवेदी ने कहा, बंगाल के लोग ममता बनर्जी की सरकार के तहत भांगनमारी गांव



में महिलाओं की बर्बर पिटाई से गंभीर रूप से परेशान और आक्रोशित हैं। यह दिखाता है कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के तहत महिलाओं की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है।उन्होंने कहा, चाहे वह संदीपखाली में शाहजहां शेख हो, दुर्गापुर मेडिकल कालेज की घटना हो, या आज दक्षिण 24 परगना जिले में आरिफ लश्कर, मुन्ना लश्कर और जलिल लश्कर जैसे लोगों की संलिप्तता हो; ऐसा लगता है कि ये तृणमूल कांग्रेस के लश्कर बन गए हैं, जो अपने राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए जनता के खिलाफ दमन के उपकरण बन गए हैं। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि ऐसे व्यक्ति राजनीतिक समर्थन के साथ कार्य कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि ये लोग तृणमूल कांग्रेस के राजनीतिक लश्कर बन गए हैं।

## विधानसभा:दो साल में सरकार को घेरने भाजपा विधायक भी आगे, 8 हजार में 3150 सवाल इनके ही

रायपुरी, 03 जनवरी ( एजेंसी )। घंटे पहलेछत्तीसगढ़ विधानसभा के बीते दो वर्षों के सवाल-जवाब का विश्लेषण कई चौंकाने वाले तथ्य सामने लाता है। आमतौर पर सरकार को घेरने की भूमिका विपक्ष की मानी जाती है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सत्तारूढ़ भाजपा के विधायक भी सवाल पूछने में पीछे नहीं रहे।

फरवरी-मार्च 2024 से लेकर नवंबर-दिसंबर 2025 के बीच कुल 8356 प्रश्न पूछे गए, जिनमें से 3150 प्रश्न भाजपा विधायकों द्वारा पूछे गए। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस विधायक भूपेश बघेल ने दो साल में सिर्फ 48 सवाल पूछे। विधानसभा में सवाल पूछना जनप्रतिनिधियों का सबसे प्रभावी हथियार माना जाता है।इसके जरिए न सिर्फ सरकार की योजनाओं, फैसलों और कामकाज की समीक्षा होती है, बल्कि जनता से जुड़े मुद्दे भी सदन में मजबूती से उठते हैं। बीते दो वर्षों में यह साफ दिखा कि भाजपा के कई विधायक लगातार और योजनाबद्ध तरीके से विभागों से जवाब मांगते रहे। फरवरी-मार्च 2024 से लेकर नवंबर-दिसंबर 2025 तक के आंकड़े बताते हैं कि भाजपा विधायकों में सबसे ज्यादा सवाल पूछने वालों की सूची में चार विधायक संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे।अजय चंद्राकर, धर्मजीत सिंह, धर्मलाल कौशिक और भावना बोहरा ने प्रत्येक ने 208-208 सवाल पूछा। इसके बाद राजेश मूणत, सुशांत शुक्ला, संपत अग्रवाल ने और अनुज शर्मा ने भी कई सवाल किए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव और मोतीलाल साहू ने भी सौ से अधिक प्रश्न पूछे।

वहीं विपक्षी कांग्रेस विधायकों की बात करें तो सवाल पूछने में कई चेहरे बेहद मुखर नजर आए। कांग्रेस के भोला राम साहू ने 208 सवाल पूछकर विपक्ष में रहते हुए भी शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके बाद दलेश्वर साहू, अंबिका मरकाम, बालेश्वर साहू और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे चरणदास महंत ने 200 व इससे अधिक अधिक सवाल पूछा। भाजपा विधायक रेणुका सिंह सरूता, उद्धेश्वरी पैकरा और भूलन सिंह मराबी ने दो साल में कुल 9 प्रश्न पूछे। भाजपा के ही भईया लाल राजवाड़े ने 13, प्रेमचंद्र पटेल और शकुंतला सिंह पोर्ते ने 38 सवाल किए। विपक्षी दलों में गोंडवाना गणतंत्र पाटी की तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम 63 सवाल पूछे। इसी तरह कांग्रेस भूपेश बघेल ने 48, फूल सिंह राठिया 58, जनक ध्रुव 63, विद्यावती सिदार ने 65 सवाल किया।

## तमनार हिंसा...महिला आरक्षक की वर्दी फाड़ी, अर्धनग्न किया,:भीड़ ने दौड़ाया, खेत में गिराकर घसीटा, रो-रोकर बोली- भाई छोड़ दो, माफ कर दो

रायगढ़/रायपुरी, 03 जनवरी ( एजेंसी )। रायगढ़ के तमनार हिंसा का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें प्रदर्शनकारी महिला आरक्षक के कपड़े फाड़ते हुए दिख रहे हैं। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के तमनार ब्लॉक में कोयला खदान के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान महिला आरक्षक के कपड़े फाड़ दिए गए। प्रदर्शनकारियों ने उसे आधा किमी तक दौड़ाया। जब वह खेत में गिर गई, तो वर्दी फाड़-फाड़कर उसे अर्धनग्न कर दिया गया।



इस पूरे घटनाक्रम का प्रदर्शनकारियों ने वीडियो भी बनाया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। 40 सेकेंड के इस वीडियो में महिला आरक्षक रो-रोकर प्रदर्शनकारियों को भाई बोलकर कहती है कि, मुझे माफ कर दो, छोड़ दो।

प्रदर्शनकारी कहते हैं कि, क्या करने आई थी। चप्पल से मारूं अभी। चलो भाग जाओ यहां से। उसके बाद उसे छोड़कर लोग चले जाते हैं। इससे पहले महिला ञ्जढ्ढ को लात मारने का वीडियो सामने आया था। यह हिंसक झड़प 27 दिसंबर 2025 को हुई थी।

दरअसल, मामला 8 दिसंबर 2025 को धौराभाठा में हुई जनसुनवाई के विरोध से जुड़ा है। छ्वक्क कोयला खदान सेक्टर-1 कोल ब्लॉक से प्रभावित 14 गांवों के लोग 12 दिसंबर से धरने पर बैठे हुए थे। 27 दिसबंर को सुबह करीब 9 बजे लिबरा चौक पर लगभग 300 ग्रामीण जमा हो गए। सड़क पर बैठकर आने-जाने का रास्ता रोक दिया।

स्थिति बिगड़ती देख सुबह करीब 10 बजे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझाया। धरनास्थल पर लगे टेंट में वापस भेज दिया। कुछ समय के लिए माहौल शांत हुआ, लेकिन तनाव बना रहा।

जिला प्रशासन के मुताबिक आसपास के गांवों से और लोग मौके पर पहुंचने लगे। दोपहर तक भीड़ की संख्या करीब 1000 के आसपास हो गई। घरघोड़ा के एसडीएम और पुलिस अधिकारी लगातार माइक से लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते रहे, लेकिन भीड़ बार-बार सड़क पर आकर रास्ता रोकने की कोशिश करती रही।करीब दोपहर ढाई बजे अचानक हालात बिगड़ गए। भीड़ ने पुलिस के बैरिकेड तोड़ दिए। पत्थर और डंडों से हमला कर दिया। पुलिस पर जमकर लाठियां और पत्थर बरसाए गए। तमनार थाना प्रभारी कमला पुसाम को महिलाओं ने लात-घूंसे से पीटा। जिससे कई पुलिसकर्मी और महिला आरक्षक भी घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।जिला प्रशासन के मुताबिक उग्र भीड़ ने मौके पर खड़ी पुलिस बस, जीप और एम्बुलेंस में आग लगा दी। कई अन्य सरकारी वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया गया। इसके बाद भीड़ जिंदल के कोल हैंडलिंग प्लांट की ओर बढ़ गई। वहां घुसकर कन्वेयर बेल्ट, दो ट्रैक्टर और अन्य वाहनों में आग लगा दी गई। प्लांट के दफ्तर में भी तोड़फोड़ की गई।स्थिति संभालने के लिए लैलूंगा की विधायक विद्यावती सिदार, रायगढ़ कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक खुद मौके पर पहुंचे, लेकिन भीड़ और ज्यादा उग्र हो गई। अधिकारियों की मौजूदगी में भी पथराव हुआ और भीड़ दोबारा प्लांट की ओर जाकर आगजनी करती रही।

14 गांव के करीब 4 हजार से अधिक लोगों ने आंदोलन किया। उनकी एक ही मांग थी कि कोल ब्लॉक के लिए कराई गई जनसुनवाई निरस्त हो। जिसके बाद जिंदल कंपनी प्रबंधन ने प्रस्तावित कोल ब्लॉक गारे पेलमा सेक्टर-1 के लिए जनसुनवाई नहीं करने का फैसला लिया।

पहला मामला सरगुजा जिले के अमेरा ओपनकास्ट कोल माइंस का है। कोल माइंस विस्तार के खिलाफ ग्रामीण विरोध जता रहे हैं। 3 दिसंबर 2025 को पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव और गुलेल से हमला किया।

जानकारी के अनुसार, स्श्वष्टरु ने अमेरा खदान के विस्तार के लिए परसोढ़ी गांव की जमीनें साल 2001 में अधिग्रहित की थीं। ग्रामीण अपनी जमीन देने के लिए तैयार नहीं हैं। प्रशासनिक अधिकारी लगभग 500 पुलिसकर्मियों के साथ जमीन अधिग्रहण के लिए गांव पहुंचे थे। पढ़ें पूरी खबर...

वहीं दूसरा मामला रायगढ़ जिले के छाल क्षेत्र में कोयला खदान का है। ग्रामीण आंदोलन कर रहे हैं। पुरूंगा, साम्हरसिंघा और तेंदूमुड़ी के लोग अपनी जल, जंगल और जमीन को खदान के लिए देने से इनकार कर चुके हैं। 6 नवंबर को उन्होंने धरना प्रदर्शन किया।

कोयला खदान के लिए 11 नवंबर को होने वाली जनसुनवाई को ग्रामीण रद्द की मांग कर रहे थे। 6 नवंबर को करीब 300 ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे, लेकिन कलेक्टर उनसे मिलने नहीं आए। इसके बाद ग्रामीण रातभर कलेक्ट्रेट के सामने धरने पर बैठे रहे। इस धरने में महिलाएं, बच्चे और लड़कियां भी शामिल थीं। पढ़ें पूरी खबर....तीसरा मामला कोरबा जिले के स्श्वष्टरु ( साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ) की गेवरा खदान का है। गेवरा खदान में भू-विस्थापितों के प्रदर्शन के दौरान छ्ठ्ठस्त्र ( केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ) ने लाठीचार्ज किया था। लाठीचार्ज के दौरान वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।इस दौरान जवानों ने प्रदर्शनकारियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा था। भू-विस्थापित रोजगार, पुनर्वास और मुआवजे की मांग कर रहे थे। लाठीचार्ज में किसान सभा के जिला सचिव दीपक साहू, रमेश दास, बिमल दास और गुलाब दास समेत लगभग 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

## बिना परमिट चल रहीं 52 बसों के मालिकों से 40 हजार जुर्माना वसूला

सरायपालीी, 03 जनवरी ( एजेंसी )। चेकपोस्ट खम्हारपाली में अखिल भारतीय पर्यटक परमिट पर चलने वाली बसों की सघन जांच शुरु कर दी गई है। साथ ही नियम का पालन नहीं करने वाले बस संचालकों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा रही है। यहां प्रभारी अधिकारी विष्णु ठाकुर के द्वारा बसों के परमिट ,नियमानुसार मोटरयान कर, यात्री सूची, सहित सभी दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जा रही है। इस माह अखिल भारतीय पर्यटक परमिट पर चलने वाली 14 बसों पर कार्रवाई की गई। जहां वाहन चालकों से 68 हजार शमन शुल्क वसूली की गई। वही 44 स्पेशल परमिट , अंतरराज्यीय मंजिली बसों अस्थायी परमिट की बसों पर एक लाख बहत्तर हज़ार रूपए शमन शुल्क वसूल किया गया है। अब तक कुल 52 बसों पर कार्रवाई कर 2 लाख 40 हजार का जुर्माना लगाया गया। जांच में अखिल भारतीय पर्यटक परमिट की बसों में आगे पीछे अखिल भारतीय पर्यटन यान लिखाने की हिदायत वाहन मालिकों को दी जा रही है। परमिट शर्तों का उल्लंघन करने पर परमिट निलंबन की चेतावनी दी जा रही है ।

## रेबीज संक्रमित बकरे की बलि : 400 ग्रामीणों ने प्रसाद में खाया मटन, अब हो रही है रेबीज फैलने की टेंशन

अंबिकापुर, 03 जनवरी ( एजेंसी )। शहर से लगे ग्राम सरगंवा में ऐसा हैरतअंगेज और चिंताजनक मामला सामने आया है, जिसने पूरे गांव में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है. गांव में निकासी पूजा के दौरान रेबीज संक्रमित कुत्ते द्वारा काटे गए बकरे की बलि देकर उसका मांस ग्रामीणों को प्रसाद के रूप में खिलाए जाने का मामला है. बताया जा रहा है कि इस बकरे का मांस करीब 400 ग्रामीणों ने सेवन किया है. घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहा है. घटना 28 दिसंबर की बताई जा रही है. निकासी पूजा में दी गई बलि, बाद में हुआ खुलासा जानकारी के अनुसार 28 दिसंबर को ग्राम सरगंवा में परंपरागत निकासी पूजा का आयोजन किया गया था. हर वर्ष की तरह इस बार भी पूजा के दौरान बकरे की बलि दी गई. ग्रामीणों का आरोप है कि जिस बकरे की बलि दी गई, उसे कुछ दिन पहले एक रेबीज संक्रमित कुत्ते ने काट लिया था. इसके बावजूद गांव के सरपंच नारायण प्रसाद और उपसरपंच कृष्णा सिंह द्वारा उसी बकरे को पूजा में बलि के लिए उपयोग किया गया. लगभग 400 ग्रामीणों ने किया मांस का सेवन गांव की परंपरा के अनुसार निकासी पूजा में बलि दिए गए पशु का मांस पुरुष वर्ग द्वारा प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है. इस बार भी ऐसा ही हुआ और करीब 400 ग्रामीणों ने बकरे का मांस खाया. बाद में जब ग्रामीणों को पता चला कि बकरे को रेबीज संक्रमित कुत्ते ने काटा था, तो गांव में हड़कंप मच गया. अब ग्रामीण इसे लेकर रेबीज का इंजेक्शन लगवाने की तैयारी में जुटे हुए हैं. सरपंच-उपसरपंच पर गंभीर आरोप ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच नारायण प्रसाद और उपसरपंच कृष्णा सिंह ने गांव के ही नान्हू रजवाड़े नामक ग्रामीण से यह बकरा खरीदा था. आरोप है कि बकरे की स्थिति की जानकारी होने के बावजूद इसे बलि के लिए उपयोग किया गया. हालांकि इस पूरे मामले पर सरपंच और उपसरपंच कुछ भी कहने से बचते नजर आ रहे हैं. वहीं दूसरी ओर ग्रामीण इस पुरे मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराने की बात कह रहे हैं. ग्रामीणों में डर, स्वास्थ्य शिविर की मांग घटना के बाद गांव के लोगों में रेबीज संक्रमण को लेकर भारी डर का माहौल है. ग्रामीणों का कहना है कि वे मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं और किसी भी संभावित खतरे से बचने के लिए गांव में तत्काल स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाए. ग्रामीणों की मांग को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है. स्वास्थ्य विभाग कल लगाएगा कैंप बताया जा रहा है कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य महकमा कल ग्राम सरगंवा में स्वास्थ्य शिविर लगाने पहुंचेंगे. शिविर में ग्रामीणों की जांच, परामर्श और आवश्यक उपचार किया जाएगा. ।

## रायपुर रिंग रोड पर ट्रक हादसा: अधेड़ की मौत, गुस्साए लोगों ने किया थाने का घेराव

रायपुर, 03 जनवरी ( एजेंसी )। राजधानी रायपुर के रिंग रोड स्थित गोंदवारा इलाके में हुए सड़क हादसे में एक अधेड़ व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से मौके पर ही व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के मोहल्ले गोगांव से बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल और फिर थाने पहुंच गए।

आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने गुढ़ियारी थाने का घेराव कर आरोपी ट्रक चालक की तत्काल गिरफ्तारी, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की।

## धमतरी में नाबालिग दुष्कर्म मामले में सख्त सजा, आरोपी को 20 साल का सश्रम कारावास

### मजबूत विवेचना का असर, विवेचक उप निरीक्षक अजय सिंह सम्मानित

धमतरी, 03 जनवरी ( एजेंसी )। नाबालिग से दुष्कर्म के गंभीर मामले में न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला धमतरी पुलिस की सुदृढ़, संवेदनशील एवं प्रभावी विवेचना का प्रतिफल माना जा रहा है, जो एसपी धमतरी के निर्देश में की गई।

प्रकरण के अनुसार दिनांक 26 जून 2024 को करेलीबड़ी चौकी क्षेत्र अंतर्गत थाना मगरलोड, जिला धमतरी में अपराध क्रमांक 150/24 दर्ज किया गया था। मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 366, 376( 2 )( ढ ) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4 एवं 6 के तहत नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म का गंभीर अपराध पंजीबद्ध किया गया था।

एसपी धमतरी श्री सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में तत्कालीन चौकी प्रभारी करेलीबड़ी उप निरीक्षक अजय सिंह द्वारा मामले की अत्यंत गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ विवेचना की गई। विवेचना के दौरान ठोस साक्ष्य, तकनीकी प्रमाण एवं मजबूत तथ्यों को संकलित कर आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।प्रकरण की सुनवाई उपरांत माननीय अपर सत्र न्यायाधीश ( एफटीसी ), धमतरी द्वारा आरोपीशिवकुमार उर्फ शिवा यादवपिता - त्रिलोक कुमार यादव, उम्र 23 वर्ष,निवासी - बोरियाखुर्द, थाना टिकरापारा, जिला रायपुर ( छत्तीसगढ़ )को 20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।यह निर्णय नाबालिगों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर कड़ी न्यायिक कार्यवाही का स्पष्ट और सशक्त संदेश देता है।उत्कृष्ट विवेचना पर विवेचक को सम्मानमामले में उत्कृष्ट विवेचना एवं सफल कार्यवाही के लिए एसपी धमतरी श्री सूरज सिंह परिहार द्वारा विवेचक उप निरीक्षक अजय सिंह ( तत्कालीन चौकी प्रभारी करेलीबड़ी ) को उनकी सेवा पुस्तिका में प्रशंसा प्रविष्टि के साथ 500 रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।एसपी धमतरी द्वारा स्पष्ट किया गया कि इस प्रकार के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निरंतर प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत किया जा रहा है, जिससे बेहतर पुलिसिंग, मजबूत विवेचना और न्यायिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।एसपी धमतरी श्री सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में तत्कालीन चौकी प्रभारी करेलीबड़ी उप निरीक्षक अजय सिंह द्वारा मामले की अत्यंत गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ विवेचना की गई। विवेचना के दौरान ठोस साक्ष्य, तकनीकी प्रमाण एवं मजबूत तथ्यों को संकलित कर आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।प्रकरण की सुनवाई उपरांत माननीय अपर सत्र न्यायाधीश ( एफटीसी ), धमतरी द्वारा आरोपीशिवकुमार उर्फ शिवा यादवपिता - त्रिलोक कुमार यादव, उम्र 23 वर्ष,निवासी - बोरियाखुर्द, थाना टिकरापारा, जिला रायपुर ( छत्तीसगढ़ )को 20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।

## रानीतराई साप्ताहिक बाजार में नकली नोट का भंडाफोड़, पति-पत्नी गिरफ्तार

दुर्ग, 03 जनवरी ( एजेंसी )। रानीतराई साप्ताहिक बाजार में नकली नोट चलाने के आरोप में एक पति-पत्नी को पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ लिया है। आरोपी दंपत्ति सब्जी और अन्य सामान खरीदते समय व्यापारियों को 500, 200 और 100 रुपये के नकली नोट थमा रहे थे।मामला 29 दिसंबर 2025 का है। थाना रानीतराई क्षेत्र के साप्ताहिक बाजार में नकली नोट चलने की सूचना पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और अरूण कुमार तुरंग और उसकी पत्नी राखी तुरंग को हिरासत में ले लिया।पीड़ित व्यापारी तुलेश्वर सोनकर ने बताया कि आरोपी दंपत्ति ने सब्जी खरीदने के बाद 500 रुपये का नकली नोट दिया, जिसे जांच में नकली पाया गया। आगे की जांच में सामने आया कि दंपत्ति ने सिर्फ रानीतराई ही नहीं, बल्कि पाटन साप्ताहिक बाजार में भी कई व्यापारियों को इसी तरह ठगा था। पूछताछ में मुख्य आरोपी अरूण तुरंग ने कबूल किया कि उसने ऑनलाइन कलर फोटो कॉपी प्रिंटर और कागज मंगवाकर नकली नोट छापे थे और उन्हें काटकर बाजार में चला रहा था।पुलिस ने आरोपियों के घर ग्राम सोनपैरी, मुजगहन, जिला रायपुर से तलाशी के दौरान कलर फोटो कॉपी मशीन, कागज और कुल 1,70,500 रुपये के नकली नोट बरामद किए। बरामद नकली नोटों में 500, 200 और 100 रुपये के नोट शामिल हैं।अभियुक्तों के खिलाफ अप.क्र. 123/2025 के तहत धारा 178, 179, 180, 181 एवं 3( 5 ) वीएनएस में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई से बाजार में सक्रिय नकली नोट गिरोह का बड़ा पर्दाफाश हुआ है और लोगों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध नोट की तुरंत सूचना पुलिस को दें।

## भिलाई में आपसी रंजिश ने लिया हिंसक रूप, चाकूबाजी में युवक घायल

भिलाई,03 जनवरी ( एजेंसी )। शहर के कुम्हारी थाना क्षेत्र से एक गंभीर घटना सामने आई है। वार्ड नंबर 6 में आपसी विवाद के दौरान चाकू से हमला किए जाने की घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक का कहना है कि एक दिन पूर्व किसी बात को लेकर उसका विवाद हुआ था। उसी पुरानी रंजिश को लेकर बीती रात तीन युवकों ने मिलकर उस पर चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही कुम्हारी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए सुपेला अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल डॉक्टरों की टीम घायल की स्थिति पर लगातार निगरानी रखे हुए है।पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज कर लिया है और हमले में शामिल आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है। घटना के बाद से क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है और कानून-व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है।

## पेंशनरों ने 14 सूत्रीय मांगों को पूरा करने की मांग की

महासमुंदी, 03 जनवरी ( एजेंसी )। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ और मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ संयुक्त राज्य पेंशनर्स फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में जिले के पेंशनरों ने अपनी आवाज बुलंद की है। मंगलवार को संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम कलेक्टर विनय लंगेह को 14 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा।फेडरेशन के जिलाध्यक्ष अशोक गिरी गोस्वामी ने जानकारी दी कि यह कदम 10 सितंबर 2025 को जबलपुर मुख्यालय में आयोजित बैठक में लिए गए सामूहिक निर्णय के आधार पर उठाया गया है। राज्य शासन को सौंपे गए इस मांग पत्र में पेंशनरों के हितों से जुड़े कई गंभीर मुद्दों को शामिल किया गया है।पेंशनर संघों ने स्पष्ट किया कि वे लंबे समय से इन जायज मांगों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पदाधिकारियों ने राज्य शासन से अपील की है कि इन मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बुढ़ापे में आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा मिल सके। ज्ञापन में मुख्य रूप से विधानसभा चुनाव से पूर्व दी गई ''मोदी की गारंटी'' को याद दिलाया गया है। इस मौके पर जिला संयोजक टेकराम सेन, सरायपाली अध्यक्ष भोजराज पटेल, शिव साहू प्रांतीय उपाध्यक्ष, बीआर ध्रुव कार्यालय प्रभारी, बीआर देवांगन सचिव, मनराखन ध्रुव कोषाध्यक्ष सहित अन्य मौजूद थे। . महंगाई राहत : केंद्र शासन की देय तिथि से ही



डीआर का भुगतान सुनिश्चित करना। . धारा 49( 6 ): पेंशन पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49( 6 ) की गलत व्याख्या समाप्त कर समय पर डीआर प्रदान करना। . पेंशन वृद्धि : 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पेंशनरों की मूल पेंशन में 20 प्रतिशत की वृद्धि। . स्वास्थ्य एवं कल्याण: पेंशनरों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा और वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन। . रेल व आयकर छूट: रेल यात्रा में वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली पुरानी रियायतों की बहाली और आयकर में विशेष छूट। . अन्य मांगें : तीर्थ यात्रा योजना में पेंशनरों को प्राथमिकता, मृत्यु होने पर आश्रित परिवार को 50,000 रुपये की सहायता, ओपीएस की बहाली और कोर्ट के निर्णय अनुसार एरियर्स का भुगतान।

## पुलिस कमिश्नर प्रणाली महासमुंद में नया आईजी रेंज बनाया जाएगा

रायपुर, 03 जनवरी ( एजेंसी )। प्रदेश में पुलिस आयुक्त प्रणाली 23 जनवरी से लागू कर दी जाएगी। इसके लिए अब 6 हजार फोर्स की जरूरत पड़ेगी। नए दफ्तर की तलाश शुरू हो गई है। महासमुंद में नया आईजी रेंज बनाना होगा तथा ए-डीसीपी कोर्ट लगाएंगे जहां पर विभिन्न धाराओं के आरोपियों की सुनवाई होगी। राज्य में नया पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू की जा रही है जिसके तहत यहां पर कई प्रशासनिक फेर दबल किए जाएंगे तथा सिस्टम को प्रभावशाली बनाने के लिए अन्य परिवर्तन करने पड़ेंगे।

## शब्द सामर्थ्य -054

( भागवत साहू )

**बाएं से दाएं**

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य ( आदमी ), आम और खास लोग ( उ. ) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता ( उ. ) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

**ऊपर से नीचे**

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

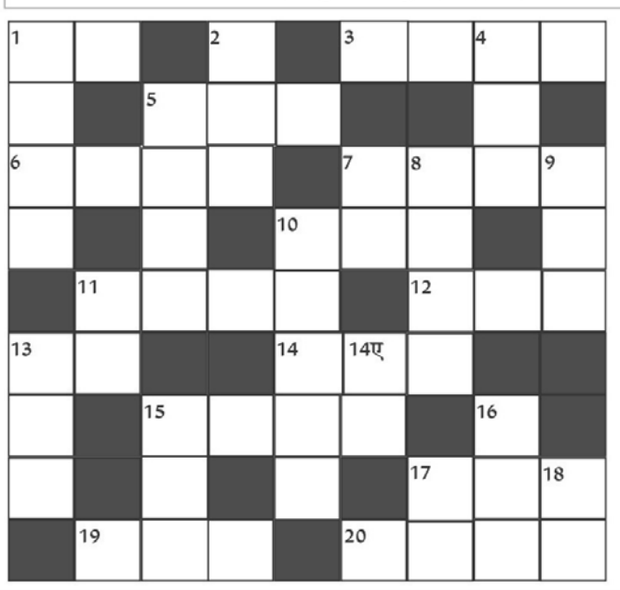




### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| खा | म | खां | | | इं | | | |
| स | ह | | ब | र | सा | त | | प |
| | क | हा | नी | | न | क | च | ढ़ा |
| त | | | स्ब | | | ली | | ई |
| क | या | म | त | | क | फ | न | |
| दी | | र्दी | | बा | बू | | ह | वा |
| र | ह | ना | | ल | त | खो | र | |
| | वा | | नौ | क | र | | | सा |
| भा | ई | | का | | | बा | द | ल |

## एशेज सीरीज 2025-26: सिडनी टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, उस्मान ख्वाजा की जगह बरकरार

नईदिल्ली ,03 जनवरी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ 5वें और आखिरी एशेज टेस्ट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जो 4 जनवरी से सिडनी में शुरू होगा। नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में स्टीव स्मिथ टीम की कप्तानी करेंगे। 39 साल के उस्मान ख्वाजा को संन्यास की अटकलों के बावजूद टीम में शामिल किया गया है। आइए टीम पर एक नजर डालते हैं।कमिंस पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती 2 टेस्ट नहीं खेल पाए थे, लेकिन उन्होंने एडिलेड ओवल टेस्ट में वापसी की थी। इसके बाद उन्हें सीरीज के चौथे और पांचवें मैच के लिए नहीं चुना गया। ऑस्ट्रेलिया की टीम: स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, टॉड मर्फी, माइकल नेसर, झाई रिचर्डसन, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, और ब्यू वेबस्टर। मौजूदा एशेज सीरीज में ख्वाजा ने 3 मैचों की 5 पारियों में 30.60 की औसत से 153 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। ख्वाजा के मध्यक्रम में जाने के बाद, ट्रेविस हेड और जैक वेदरल्ड बतौर सलामी बल्लेबाज खेले हैं। 2025 में ख्वाजा ने 18 पारियों में 36.11 की औसत से 614 रन बनाए थे। इस दौरान उनका एकमात्र शतक ऑस्ट्रेलिया के जनवरी-फरवरी 2025 के श्रीलंका दौरे पर आया था।ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टेस्ट में 4 विशेषज्ञ तेज गेंदबाज उतारे थे। लेकिन अब मेजबान टीम सिडनी टेस्ट के लिए युवा ऑफ-स्पिनर टॉड मर्फी को शामिल कर सकते हैं। बता दें कि अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन को एडिलेड टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद मर्फी को टीम में जोड़ा गया था। 25 वर्षीय ऑफ स्पिनर मर्फी ने 7 टेस्ट में 28.13 की औसत के साथ 25 विकेट लिए हुए हैं इंग्लैंड को पर्थ में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में 8 विकेट से शिकस्त मिली थी। ये मुकाबला सिर्फ 2 दिनों के भीतर ही समाप्त हो गया था। इसके बाद गाबा में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 8 विकेट से जीत हासिल की थी इस दौरान उनका एकमात्र शतक ऑस्ट्रेलिया के जनवरी-फरवरी 2025 के श्रीलंका दौरे पर आया था।ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टेस्ट में 4 विशेषज्ञ तेज गेंदबाज उतारे थे। लेकिन अब मेजबान टीम सिडनी टेस्ट के मर्फी को शामिल कर सकते हैं।

# टी-20 विश्व कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, पैट कमिंस और टिम डेविड भी शामिल

नईदिल्ली ,03 जनवरी (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की घोषणा की गई है। मिचेल मार्श की कप्तानी वाली टीम में पैट कमिंस, टिम डेविड और जोश हेजलवुड को भी चुना गया है। बता दें कि कमिंस, डेविड और हेजलवुड फिलहाल अपनी-अपनी फिटनेस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी तरफ मिशेल ओवेन और बेन ड्वार्शियस इस प्रारंभिक टीम में अपनी जगह नहीं बना सके हैं। आइए ऑस्ट्रेलियाई टीम पर एक नजर डालते हैं।

प्रमुख चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, टी-20 टीम ने हाल ही में लगातार सफलता हासिल की है, जिससे हमें श्रीलंका और भारत में मिलने वाली अलग-अलग परिस्थितियों के हिसाब से खिलाड़ियों का संतुलन बनाने में मदद मिली। कमिंस, हेजलवुड और डेविड अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और हमें भरोसा है कि ये खिलाड़ी विश्व कप के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने आगे कहा, यह एक शुरुआती टीम है, इसलिए अगर कोई बदलाव करने की जरूरत पड़ी तो परिवर्तन कर दिए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने स्पिनर्स से भरी टीम चुनी है, जिसमें एडम जैम्पा स्पिन विभाग की अगुआई करेंगे। उनके साथ मैथ्यू कुह्नमैन, कूपर कोनोली, ग्लेन मैक्सवेल और मैथ्यू शॉर्ट जैसे अन्य स्पिन गेंदबाजी के विकल्प शामिल हैं। युवा ऑलराउंडर कोनोली पर भी चयनकर्ताओं ने भरोसा जताया है। उन्होंने अब तक ऑस्ट्रेलिया की ओर से 6 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। 22 वर्षीय ये खिलाड़ी इस समय बिग बैश लीग में खेल रहे हैं।भारत और श्रीलंका में खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने अभियान की शुरुआत 11 फरवरी को आयरलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ मैच से करेगी। कंगारू टीम ग्रुप- बी में मौजूद है। टी-20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम: मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुह्नमैन, कूपर कोनोली, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, और एडम जैम्पा।कमिंस पीठ की चोट से उबर रहे हैं और एडिलेड में सिर्फ तीसरे एशेज टेस्ट में खेले थे। इस महीने के आखिर में उनका स्कैन होगा जिससे फाइनल टीम में उनकी उपलब्धता तय होगी। बता दें कि डेविड हाल ही में बीबीएल खेलते हुए हैमस्ट्रिंग से परेशान नजर आए थे। वह बीबीएल के बचे हुए सीजन से बाहर हो गए थे। जबकि हैजलवुड हैमस्ट्रिंग के बाद अकिलीज में दर्द के कारण एशेज से बाहर हो गए थे।ऑस्ट्रेलियाई टीम ने स्पिनर्स से भरी टीम चुनी है, जिसमें एडम जैम्पा स्पिन विभाग की अगुआई करेंगे। उनके साथ मैथ्यू कुह्नमैन, कूपर कोनोली, ग्लेन मैक्सवेल और मैथ्यू शॉर्ट जैसे अन्य स्पिन गेंदबाजी के विकल्प शामिल हैं। युवा ऑलराउंडर कोनोली पर भी चयनकर्ताओं ने भरोसा जताया है। उन्होंने अब तक ऑस्ट्रेलिया की ओर से 6 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। 22 वर्षीय ये खिलाड़ी इस समय बिग बैश लीग में खेल रहे हैं।भारत और श्रीलंका में खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने अभियान की शुरुआत 11 फरवरी को आयरलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ मैच से करेगी। कंगारू टीम ग्रुप- बी में मौजूद है। टी-20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम: मिचेल मार्श, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुह्नमैन, कूपर कोनोली, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, और एडम जैम्पा।कमिंस पीठ की चोट से उबर रहे हैं और एडिलेड में सिर्फ तीसरे एशेज टेस्ट में खेले थे।

## न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पंत को मौका देंगे चयनकर्ता पडिक्कल के नाम पर भी विचार संभव

नईदिल्ली ,03 जनवरी (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 11 जनवरी से तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत होनी है। ऋषभ पंत इस सीरीज का हिस्सा होंगे या नहीं इसे लेकर चर्चा चल रही है। आइए जानते हैं किन खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है।भारतीय टीम को नए साल पर न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इसके लिए आने वाले कुछ दिनों में भारतीय टीम का एलान हो सकता है। सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर है कि चयनकर्ता ऋषभ पंत को इस सीरीज के लिए मौका देते हैं या नहीं। पंत पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रहे हैं और उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। पंत टीम में शामिल होंगे या नहीं इसका पता तो टीम की घोषणा होने पर ही चलेगा। पंत पिछले 18 महीनों में एक भी वनडे नहीं खेले हैं और अगर उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मौका नहीं मिलता है तो यह अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति की ज्यादती होगी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह सीरीज 11 जनवरी से होगी जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली भी खेलते नजर आएंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज का हिस्सा थे पंत

यह किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय टीम प्रबंधन में कम से कम एक सदस्य को तो पंत का अधिक जोखम से अधिक फायदा वाला रवैया पसंद नहीं है और वह चाहते हैं कि बल्लेबाजी में पंत पारंपरिक रवैया अपनाएं। लेकिन दूसरा मौका दिए बिना पंत को बाहर करने से कई सवाल खड़े होंगे। पंत ने 2025 में एक भी वनडे नहीं खेला हालांकि वह चैंपियंस ट्रॉफी टीम और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले महीने वनडे टीम का हिस्सा थे। सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर आजमाया गया

और तीनों मैचों में पंत बाहर रहे। जुरेल या ईशान को मिलेगा मौकापंत ने 2018 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 31 वनडे खेले हैं। उन्होंने 30 जून 2019 से 14 जनवरी 2020 के बीच में 11 वनडे खेले। फिर कोविड के बाद उन्होंने 26 मार्च 2021 से 30 नवंबर 2022 तक 15 वनडे खेले और एक शतक, दो बार 75 से अधिक रन और एक 85 रन की पारी खेली। इसके बाद वह भयावह कार दुर्घटना का शिकार हो गए। फिर 2024 में वापसी के बाद से उन्होंने कोलंबो में एकमात्र वनडे खेला।

विजय हजारे ट्रॉफी के चार मैचों में वह एक ही में 70 रन बना सके। वहीं ईशान किशन ने झारखंड के लिए कर्नाटक के खिलाफ पहले ही मैच में 14 छक्के लगाए। ध्रुव जुरेल ने भी उत्तर प्रदेश के लिए शतक जमाया और वह पिछली वनडे सीरीज में भारतीय टीम में थे। 15 सदस्यीय टीम में तीन विकेटकीपर तो नहीं हो सकते और बल्लेबाज विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद केएल राहुल ही हैं। अब देखना यह होगा कि क्या पंत या जुरेल की जगह ईशान टीम में आते हैं। बुमराह-हार्दिक को मिल सकता है आरामदेवदत्त पडिक्कल के नाम पर भी विचार होगा जिन्होंने 37 मैचों में 92 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। लेकिन कप्तान शुभमन गिल की वापसी और दूसरे छोर पर रोहित शर्मा की मौजूदगी के अलावा पिछले वनडे में शतक जमाने वाले यशस्वी जायसवाल के रहते हुए पडिक्कल को जगह मिलना मुश्किल लग रहा है। गेंदबाजी में टी20 विश्व कप को देखते हुए जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को वनडे से आराम दिया जाना तय है। हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह पर विचार किया जा सकता है। मोहम्मद शमी की वापसी की भी अटकलें हैं, जबकि स्पिन में रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव का खेलना तय है।

## बिग बैश लीग 2025-26: मिचेल मार्श ने जड़ा शानदार शतक, उनके आंकड़े

नईदिल्ली ,03 जनवरी (एजेंसी)। पर्थ स्कॉर्चर्स और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 में होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ 19वें मुकाबले में शानदार शतकीय पारी खेली। ये उनके टी-20 करियर का चौथा शतक रहा। उन्होंने सिर्फ 55 गेंदों का सामना कर अपना शतक पूरा किया। बीबीएल में इस खिलाड़ी के बल्ले से निकला यह दूसरा शतक है। ऐसे में आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं।मार्श ने 58 गेंदों का सामना किया और 102 रन बनाए। उनके बल्ले से 11 चौके और 5 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 175.86 की रही। उनके अलावा आरोन हार्डी ने 43 गेंदों का सामना कर 94 रन बनाए। हार्डी और मार्श ने 84 गेंदों में 164 रन की शानदार साझेदारी निभाई। इन दोनों की पारियों के दम पर पर्थ की टीम 229/3 का स्कोर खड़ा करने में सफल रही। मार्श ने अब तक 222 टी-20 मुकाबले खेले हैं। इसकी 209 पारियों में लगभग 33 की औसत से 5,500 से अधिक रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 4 शतक के अलावा 34 अर्धशतक भी निकले हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 137.17 की रही है। ऑस्ट्रेलिया के लिए उन्होंने 81 टी-20 की 76 पारियों में 33.06 की औसत और 139.79 की स्ट्राइक रेट से 2,083 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 1 शतक और 11 अर्धशतक निकले हैं।बीबीएल में मार्श ने अब तक 76 मुकाबले खेले हैं और इसकी 75 पारियों में 36.92 की से 2,031 रन बनाए हैं। इस दौरान और 12 अर्धशतक लगाए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 135.30 की रही है। मार्श का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 102 रन रहा है। गेंदबाजी में इस खिलाड़ी ने 46 पारियों में 37.68 की औसत से 25 विकेट चटकाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2/10 का रहा है।

# व्यापार

## नए साल में आरबीआई से राहत की उम्मीद, ब्याज दरों में और कटौती संभव, रुपये के प्रबंधन पर रहेगी कड़ी नजर

नईदिल्ली ,03 जनवरी (एजेंसी)। महंगाई में रिकॉर्ड गिरावट और मजबूत आर्थिक वृद्धि के बीच 2026 में आरबीआई से और प्रोत्साहन की उम्मीद है। हालांकि, रुपये की गिरावट पर काबू पाना सबसे बड़ी चुनौती रहेगा।

खुदरा महंगाई के मोर्चे पर बड़ी राहत के साथ मजबूत विकास दर ने इस बात की उम्मीद बढ़ा दी है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नए?साल यानी 2026 में भी प्रोत्साहन दे सकता है।?इस बीच, सबकी नजरें रुपये के प्रबंधन पर रहेंगी, जिसमें हालिया महीनों में लगातार गिरावट देखने को मिली।

रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंची खुदरा महंगाई के बीच आरबीआई ने 2025 में छह मौद्रिक नीति समीक्षाओं में से चार में अपनी प्रमुख नीतिगत दरों में कुल 1.25 फीसदी की कटौती की। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इस साल फरवरी में अपने पहले मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बैठक से ही वृद्धि को समर्थन देने के लिए दरों में कटौती की शुरुआत की थी। इसके बाद जून में भी उन्होंने रेपो दर में 0.50 फीसदी की बड़ी कटौती की, क्योंकि कम महंगाई से नीतिगत स्तर पर ढील देने की महत्वपूर्ण गुंजाइश बनी।

नौकरशाह से केंद्रीय बैंक के गवर्नर बने मल्होत्रा ने पद संभालने के एक वर्ष पूरे होने पर मौजूदा स्थिति को भारत के लिए दुर्लभ रूप से संतुलित आर्थिक दौर करार दिया। इसमें अमेरिका के टैरिफ और भू-राजनीतिक बदलाव जैसे प्रतिकूल कारकों के बावजूद वृद्धि दर आठ फीसदी से ऊपर रही और महंगाई एक फीसदी से नीचे रही। गवर्नर ने यह भी स्पष्ट किया कि आगे चलकर आर्थिक वृद्धि की रफ्तार कुछ नरम पड़ सकती है और अब तक घट रही खुदरा महंगाई भी बढ़कर आरबीआई के चार फीसदी के लक्ष्य के करीब पहुंच जाएगी।

रुपये में लगातार गिरावट थामना सबसे बड़ी चुनौती

आरबीआई ने 2025 में अपने 90 वर्ष पूरे किए और इस साल उसके लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रुपया का डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे फिसलना रहा। केंद्रीय बैंक का कहना है कि उसका बाजार में हस्तक्षेप किसी स्तर को बचाने के लिए नहीं, बल्कि उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए होता है।

आरबीआई ने घरेलू मुद्रा के कमजोर होने के बीच इस साल के पहले नौ महीनों में 38 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार बेचा। विशेषज्ञों का मानना है कि रुपये का प्रबंधन आगे भी केंद्रीय बैंक के लिए चुनौतीपूर्ण बना रहेगा। रुपया इस साल अब तक 4.79 फीसदी टूट चुका है।?31 दिसंबर, 2024 को यह डॉलर के मुकाबले 85.64 के स्तर पर बंद हुआ था।

वास्तविक महंगाई के आंकड़ों पर उठे सवाल

चालू कीमतों पर जीडीपी वृद्धि कम रहने की चिंताओं के बीच मल्होत्रा ने कहा, आरबीआई के कदम वास्तविक जीडीपी के आधार पर तय होते हैं, जो महंगाई घटाने के बाद सामने आती है। वास्तविक महंगाई के आंकड़े आरबीआई के अनुमानों से काफी कम रहे, जिससे केंद्रीय बैंक की पूर्वानुमान क्षमता को लेकर कुछ सवाल उठे। इस पर डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा, आकलन में किसी तरह का प्रणालीगत पक्षपात नहीं है।

मुख्य आय में गिरावट ने दिया बैंकों को झटका

रेपो दर कटौती और उधारी लागत में गिरावट की स्पष्ट अपेक्षाओं के चलते आरबीआई के कदम से बैंकों को झटका लगा। शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में कमी और मुख्य आय में गिरावट से बैंक प्रभावित हुए। हालांकि, अर्थव्यवस्था में पर्याप्त नकदी सुनिश्चित करने और खास तौर पर नियामकीय ढील जैसे कदमों ने असर को कुछ हद तक कम किया।

ग्राहकों की शिकायतों का तेजी से समाधान पर रहा जोर

आरबीआई ने पूरे साल नियामकीय ढील के लिए कई उपाए किए गए। अक्तूबर की मौद्रिक नीति घोषणा इसका चरम रही, जिसमें 22 नियामकीय उपाय शामिल थे।?इनमें से कुछ उपाय आरबीआई जैसे संस्थान के लिए असामान्य थीं। इनमें बैंकों को भारतीय कंपनियों की ओर से वैश्विक अधिग्रहणों के लिए वित्तपोषण की अनुमति देना शामिल है। मल्होत्रा का जोर ग्राहकों के प्रति संवेदनशीलता और शिकायतों का तेजी से समाधान करने पर रहा है, जो उनके कई भाषणों और टिप्पणियों में झलकता रहा है।

## सीपीआई की गणना पद्धति में होगा बदलाव, 2026 में कम रहेगी महंगाई; जीएसटी कटौती ने उच्च कीमतों से दी राहत

नईदिल्ली ,03 जनवरी (एजेंसी)। सीपीआई की गणना पद्धति में बदलाव और खाद्य कीमतों में नरमी से 2026 में महंगाई कम रहने की उम्मीद। फरवरी में नई सीपीआई श्रृंखला जारी हो सकती है।खुदरा महंगाई को लक्षित करने के लिए सरकार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति की गणना पद्धति में बदलाव और मौद्रिक नीति में संशोधन करने की तैयारी कर रही है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी और जीएसटी दरों में कमी के कारण इस वर्ष उच्च महंगाई से राहत मिली है। सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई अगर 2 से 6 फीसदी के दायरे में बनी रही, तो आरबीआई रेपो दर में एक बार और कटौती कर सकता है।खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी के अलावा सरकार के सितंबर में लगभग 400 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी करने के निर्णय ने देश में मूल्य स्थिति को और बेहतर बनाने में मदद की। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) ने भी 2025 तक मुद्रास्फीति के दबाव में कमी के स्पष्ट संकेत दिखाए।

शुरुआती महीनों में सकारात्मक लेकिन घटती डब्ल्यूपीआई महंगाई दर्ज की गई, जो विशेष रूप से खाद्य और ईंधन श्रेणियों में मूल्य दबाव में नरमी को दर्शाती है।खुदरा महंगाई नवंबर, 2024 से घटनी शुरू हुई और तब से जून, 2025 तक यह रिजर्व बैंक के 2 से 4 फीसदी के दायरे में बनी रही। इसके बाद यह 2 फीसदी से भी नीचे आ गई। सीपीआई में लगभग 48 फीसदी हिस्सा रखने वाली खाद्य महंगाई जनवरी में लगभग 6 फीसदी से घटनी शुरू हुई और जून में नकारात्मक स्तर पर यानी शून्य से नीचे पहुंच गई। नवंबर में खाद्य महंगाई (-)3.91 फीसदी थी। पहली छमाही में 4 फीसदी का अनुमानआरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, अगले वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में शीर्ष महंगाई के 4 फीसदी के लक्ष्य के करीब रह सकती है। कीमती धातुओं को छोड़कर महंगाई काफी कम रहने की संभावना है, जैसा 2024 की शुरुआत से ही रुझान रहा है। अच्छे कृषि उत्पादन, कम खाद्य कीमतों और वैश्विक कमोडिटी कीमतों के असाधारण रूप से अनुकूल दृष्टिकोण से संकेत मिलता है कि पूरे वर्ष (2025-26) के लिए खुदरा महंगाई करीब 2 फीसदी रह सकती है, जो वर्ष की शुरुआत में अनुमानित दर का आधा है।फरवरी में आएगी सीपीआई की नई श्रृंखलाआरबीआई मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के संबंध में पहले ही परामर्श पत्र जारी कर चुका है। इस बीच सरकार आधार वर्ष (2024=100) के साथ एक नई सीपीआई श्रृंखला पर काम कर रही है। इसमें सूचकांक संकलन में उपयोग होने वाले कई सारे पैमानों में बदलाव किया जाएगा। एक दशक से अधिक समय के बाद किया जा रहा यह बदलाव मुद्रास्फीति आंकड़ों की प्रतिनिधित्व क्षमता, सटीकता, विश्वसनीयता और समग्र गुणवत्ता में पर्याप्त सुधार लाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उम्मीद है कि सरकार खुदरा महंगाई की नई श्रृंखला फरवरी में जारी कर सकती है।

## पहली बार नौकरी करने जा रहे युवाओं की मौज, खाते में आएंगे 15,000 रुपए, श्रम मंत्रालय ने ट्वीट कर दी जानकारी

नईदिल्ली ,03 जनवरी (एजेंसी)। अगर आप भी अपनी पहली नौकरी शुरू करने जा रहे हैं या रोजगार की तलाश में हैं, तो आपके लिए एक बड़ी खुशखबरी है। केंद्र सरकार अब नई नौकरी ज्वाइन करने वाले युवाओं को आर्थिक प्रोत्साहन देने जा रही है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने एक ट्वीट के जरिए जानकारी दी है कि 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' (के तहत सरकार पात्र कर्मचारियों को 15,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करेगी। मंत्रालय ने युवाओं को इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन करने की सलाह दी है।किसे और कैसे मिलेगा इस योजना का लाभ मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, यह 15,000 रुपये की राशि केवल उन लोगों को दी जाएगी जो पहली बार नौकरी कर रहे हैं और जिनका पहली बार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में रजिस्ट्रेशन हो रहा है। जैसे ही कोई युवा नौकरी शुरू करता है और उसका पीएफ खाता खुलता है, वह ईपीएफओ में रजिस्टर्ड हो जाता है। इसके बाद उसका खाता आधार से लिंक होते ही वह इस योजना के लिए पात्र हो जाता है। इस प्रोत्साहन राशि को प्राप्त करने के लिए कर्मचारी पर जाकर खुद को ऑनलाइन रजिस्टर कर सकते हैं। यह पूरी प्रक्रिया घर बैठे डिजिटल माध्यम से पूरी की बपुराने कर्मचारियों के लिए पीएफ निकासी के नियम हुए आसानजहां एक ओर नए कर्मचारियों को सरकार पैसे दे रही है, वहीं पुराने ईपीएफओ सदस्यों के लिए भी पैसा निकालना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। पीएफ के नए नियमों के तहत अब आप अपनी या परिवार में किसी की शादी, घर खरीदने, मरम्मत कराने, बच्चों की पढ़ाई या बीमारी के इलाज के लिए आसानी नईदिल्ली ,03 जनवरी (एजेंसी)। अगर

## नए साल से पहले को ठप हो सकती है फूड डिलीवरी, जानिए गिग वर्कर्स की हड़ताल का किन पर असर?

नईदिल्ली ,03 जनवरी (एजेंसी)। नए साल के जश्न पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट और जेप्टो जैसे प्रमुख प्लेटफॉर्म्स के गिग वर्कर्स ने आज यानी 31 दिसंबर को देशव्यापी हड़ताल का एलान कर रखा है। अगर आप न्यू ईयर पार्टी के लिए ऑनलाइन खाना या जरूरी सामान मंगाने की सोच रहे हैं, तो आपको निराशा हाथ लग सकती है। क्रिसमस पर हुई सांकेतिक हड़ताल के बाद, अब वर्कर्स यूनियनों ने अपनी मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है, जिससे साल के सबसे

व्यस्त दिन डिलीवरी सेवाएं पूरी तरह ठप होने की आशंका है।इस हड़ताल की मुख्य वजह क्विक कॉमर्स कंपनियों का '10-मिनट डिलीवरी' मॉडल है, जिसे वर्कर्स जानलेवा और असुरक्षित बता रहे हैं। इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (ढ्ढस्रञ्ज) ने सरकार को 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा है। इसमें डिलीवरी पार्टनर्स के लिए 24,000 रुपये की मासिक न्यूनतम आय, राइड-हेलिंग ड्राइवरों के लिए 20 रुपये प्रति किलोमीटर का रेट और उन्हें 'पार्टनर' के बजाय कानूनन 'वर्कर' का दर्जा देने की मांग प्रमुख है, ताकि वे श्रम कानूनों के दायरे में आ सकें।

यूनियनों ने केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। वर्कर्स का आरोप है कि कंपनियां मुनाफे के लिए उनकी सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही हैं।

उनकी मांगों में स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा, काम के घंटों को आठ घंटे तक सीमित करना और बिना किसी ठोस कारण के आईडी ब्लॉक करने की मनमानी पर रोक लगाना शामिल है। वे एल्गोरिद्म में पारदर्शिता और कमीशन कटौती पर अधिकतम 20% की सीमा भी चाहते हैं।

यह हड़ताल भारत की गिग इकोनॉमी के लिए एक बड़ा मोड़ साबित हो सकती है। 31 दिसंबर का दिन फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनियों के लिए साल का सबसे बड़ा कारोबारी दिन होता है, ऐसे में हड़ताल से उन्हें करोड़ों का नुकसान हो सकता है। वहीं, 25 दिसंबर को गुरुग्राम और दिल्ली-हृष्टक्र में दिखे असर को देखते हुए, ग्राहकों को सलाह दी जा रही है कि वे अंतिम समय में ऑर्डर करने से बचें, क्योंकि डिलीवरी में भारी देरी या कैंसिलेशन का सामना करना पड़ सकता है।

# छेरछेरा छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेर हेरा

## धूमधाम से मनाया गया छेरछेरा तिहार, सुबह से बच्चों की टोली मांगती रही छेरछेरा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ में लोकपर्व छेरछेरा का खास महत्व है। शनिवार को पौष पूर्णिमा के अवसर पर धूमधाम से छेरछेरा पर्व मनाया गया। बच्चे घर घर जाकर छेरछेरा मांगते नजर आए। गली मोहल्ले, गांवों और कस्बों से लेकर शहर तक इस परंपरा की झलक देखने को मिली।

फसल की कटाई और मिसाई के बाद किसान के घर में धान की नई फसल की ढेरी लगी रहती है। ऐसे में गांववाले फुर्सत में रहते हैं, तब पौष पूर्णिमा के अवसर पर छेरछेरा त्यौहार मनाया जाता है। इस पर्व में बच्चे टोली बनाकर सुबह से ही छेरछेरा के तौर पर घर घर अन्न दान मांगने निकल पड़ते हैं। बच्चों के साथ बड़े भी खुशी खुशी अन्न का दान मांगते हैं। शाम को जितना भी धान एकत्र होगा, उसे जमा कर सामूहिक भोजन का आयोजन किया जाता है। एक तरह से पिकनिक जैसा माहौल गांव में बन जाता है। सुबह से ही छेरछेरा की धूम मची रही। सभी बच्चे बूढ़े अन्न का दान मांगते रहे। इस दिन घर में पकवान बनाए गए। नाचते, गाते, बजाते हुए हम यह त्यौहार खुशी से मनाया गया। शहर में इसका प्रचलन कुछ कम जरूर हुआ है, लेकिन गांव में इसे बेहद उत्साह पूर्वक और धूमधाम से मनाया गया। छेरछेरा मांगना पुरातन काल से चली आ रही एक परंपरा है। छत्तीसगढ़ में लोग छेरछेरा पर्व हर साल पौष मास के पूर्णिमा के दिन धूमधाम से मनाते हैं। मान्यता है कि छेरछेरा पर्व के दिन कोठी के धान को दान करने से घर में बरकत आती है। इसलिए इस दिन लोग खुशी खुशी धान का दान करते हैं। बच्चों से लेकर बूढ़े सभी उत्साह में झूमते नाचते हुए दिखाई देते हैं। इस दिन माता शाकम्भारी देवी की पूजा भी की जाती है।

# खड़ी ट्रेलर से टकराई बाइक, दो घायल

## मार्ग के अंधेरे के कारण हुआ हादसा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोरबा-कुसमुंडा मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था का अभाव हादसे की वजह बन रहा है। अंधेरे के कारण आए दिन मार्ग पर हादसे हो रहे हैं। साल के पहले दिन ही मार्ग किनारे खड़ी ट्रेलर से बाइक सवार टकरा गए। जिसमें दो लोगों को गंभीर चोट आई है।

गुरुवार की देर शाम कोरबा से कुसमुंडा की ओर जा रहे बाइक क्रमांक सीजी 12 पीबी 2413 सवार दो युवक खमरिया मोड के पास पेट्रोल टंकी से पहले सड़क किनारे खड़ी एक ट्रेलर क्रमांक सीजी 12 बीएन 1833 से सीधे जा टकराए। टक्कर के बाद दोनों औंधे मुंह सड़क पर पड़े रहे। बीते लगभग 5 वर्षों से फोरलेन निर्माण की वजह से हटाए गए स्ट्रीट लाइट के नहीं होने की वजह से घायल किसी को नजर नहीं आ रहे थे। इसी दौरान कुछ युवक कोरबा से कुसमुंडा की ओर आ रहे थे। उनकी स्कार्पियों को तेज रोशनी में सड़क किनारे कुछ सामान बिखरा हुआ नजर आया। वे रुके, सड़क किनारे क्षतिग्रस्त बाइक और ट्रेलर के पीछे पड़े दोनों युवकों पर उनकी नजर पड़ी। युवकों को देखा तो दोनों के सिर पर गंभीर चोट लगी हुई थी। इसके अलावा उनके हाथ पैर भी चोट लगी थी। युवकों ने तत्काल कुसमुंडा पुलिस और एसईसीएल के विभागीय एंबुलेस को इसकी सूचना दी। मानवता का परिचय देते हुए वार्ड 22 के पार्षद पति देव साहू, रूपेश राजपूत, अश्वनी, गौरव सिंह और आशीष मौके पर ही मौजूद रहे। कुछ देर पश्चात एंबुलेस पहुंची। युवाओं ने दोनों घायलों को उठाकर एंबुलेंस से विकास नगर स्थित अस्पताल ले गए। डॉक्टर ने जांच उपरांत उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया।

# करतला रेंज में एक और हाथी की एंट्री

## एक और दंतैल की मौजूदगी से ग्रामीणों को बढ़ा खतरा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वनमंडल कोरबा के करतला रेंज में एक और दंतैल हाथी पहुंच गया है। कुदमुरा क्षेत्र से अचानक पहुंचे दंतैल को सुबह बड़मार जंगल में विचरण करते हुए देखा गया। इसके बाद वन विभाग सतर्क हो गया है। बड़मार तथा आसपास के गांव में मुनादी कराने के साथ ग्रामीणों को सचेत करने का काम शुरू कर दिया गया है। क्षेत्र के चिकनीपाली बीट अंतर्गत पहाड़ पर पहले से ही एक दंतैल हाथी विचरण कर रहा है। जिससे रेंज में सक्रिय दंतैल हाथियों की संख्या अब दो हो गई है। एक और दंतैल के आने से ग्रामीणों को खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए विशेष सावधानी बरती जा रही है और वन विभाग द्वारा लोगों को घरों में रहने और जंगल

न जाने की सलाह दी जा रही है। उधर कटघोरा वनमंडल के जटगा रेंज में 49 तथा एतमानगर रेंज में 2 हाथी बालापचरा के पास विचरण कर रहे हैं। बालापचरा में विचरणरत हाथियों ने बीती रात उत्पात मचाते हुए एक ग्रामीण के खेत में लगे अरहर की फसल को बुरी तरह रौंद दिया, जिससे संबंधित को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। पीड़ित ग्रामीण द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और हाथियों द्वारा किए गए नुकसानी का आंकलन किया।

# मिलर्स की मनमानी का समिति प्रबंधक भुगत रहे खामियाजा

## धान उठाव की धीमी गति से मंडी में खरीदी प्रभावित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पिछले माह से प्रदेश के सभी जिलों में धन उठाव की प्रक्रिया जारी है। एक तरफ प्रशासन जहां मंडियों में धान खरीदी से लेकर उसके उठाव की व्यवस्था को व्यवस्थित और माकूल बता रहा है, तो वही धरातल में कुछ और तस्वीर नजर आ रही है। लगभग जिले की सभी मंडियों में धान खरीदी तो व्यवस्थित चल रही है। समिति प्रबंधन के द्वारा इसके लिए किसानों को किसी तरह से परेशानी नहीं होने दी जा रही है, लेकिन प्रशासन के ढुलमुल रवैया के कारण कई समितियों में अपेक्षित धान का उठाव नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण समिति प्रबंधन को धान के रखरखाव सहित खरीदी को लेकर भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

समिति प्रबंधन के सामने दूसरी बड़ी आशंका मौसम के बदलाव को लेकर भी है, यदि इस दौरान अचानक मौसम खराब होता है और बारिश हो जाती है तो बड़ी मात्रा में नुकसान की संभावना भी बनी हुई है। केंद्रों में खरीदी तो अनवरत जारी है और किसानों को कोई परेशानी नहीं हो रही है, लेकिन अपेक्षित धान का उठाव नहीं होने के कारण उनके सामने गंभीर संकट मंडरा रहा है। स्थान की कमी और पर्याप्त चबूतरा नहीं होने के कारण प्रतिदिन होने वाले खरीदी का बारदाना कहां रखा जाए यह भी एक समस्या समिति प्रबंधन के सामने बनी हुई है। इस पर जानकारी प्राप्त हुई कि ऑनलाइन डीओ जारी होने के बाद भी कई मिलर धान उठाव को लेकर उदासीन बने हुए हैं, जिसका खामियाजा समिति प्रबंधन को भुगतना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर विभागीय अधिकारियों का कहना है कि उनके द्वारा सभी समितियों की बराबर मॉनिटरिंग की जा रही है। किसानों को और समितियां को कोई समस्या ना हो इसका भी ध्यान रखा जा रहा है इसके अलावा धान उठाव को लेकर भी वह अपनी तरफ से पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। किसी समिति में समस्या या लापरवाही की जानकारी होती है तो वह तत्काल इस पर उचित कदम उठाएंगे।

# खदान के हैवी ब्लास्टिंग ने ग्रामीणों का किया जीना मुहाल

## खदान की गहराई बढ़ने से गिरा भू जल स्तर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दीपका कोयला खदान के विस्तार और भारी ब्लास्टिंग ने हरदीबाजार के ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है। खदान की गहराई बढ़ने से क्षेत्र का भूजल स्तर गिर गया है, जिससे पंचायत के दो मुख्य बोर पंप पूरी तरह सूख गए हैं। इसका सीधा असर हॉस्पिटल मोहल्ला, गांधीनगर और कॉलेज रोड सहित करीब 400 परिवारों पर पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि नल सूखने के बाद अब उन्हें 50 मीटर दूर से बाल्टी में पानी ढोना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे 60 रुपए खर्च कर पानी का जार खरीदने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि अभी समाधान नहीं हुआ, तो गर्मियों में स्थिति विस्फोटक हो जाएगी। 25 साल पुरानी टंकी भरने वाले दोनों बोर सूख चुके हैं और एसईसीएल द्वारा भेजे जा रहे टैंकर ऊंट के मुंह में जीर के समान हैं। पानी की समस्या के साथ विस्थापन का मुद्दा भी गरमाया है। ग्रामीणों ने प्रबंधन के सामने अपनी शर्तें रखी हैं। 2004 और 2010 में अधिग्रहित जमीन का मुआवजा 2025-26 के वर्तमान बाजार मूल्य पर दें, नई बसाहट का नाम ग्राम पंचायत हरदीबाजार ही रखें। मकान तोड़ने से पहले 100 फीसदी मुआवजा राशि का भुगतान अनिवार्य हो।

# अंतिम तिमाही के लक्ष्यों व आगामी योजना पर हुआ मंथन

## जीएम समन्वय बैठक में कोयला उत्पादन बढ़ाने पर फोकस

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में कोयला उत्पादन लक्ष्य हासिल करने की चुनौती एसईसीएल के सामने है। उत्पादन रफ्तार बढ़ाने पर कंपनी का फोकस है। 4 घंटे से अधिक चली जीएम समन्वय बैठक में अंतिम तिमाही के लक्ष्यों व आगामी योजना पर गहन मंथन किया गया।

साल की पहली जीएम समन्वय बैठक में सीएमडी हरीश दुहन ने बेहतर योजना और निर्णायक क्रियान्वयन पर जोर दिया। एसईसीएल की साल की पहली जीएम समन्वय बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। मैराथन बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री दुहन ने की। बैठक में वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही व आगामी वर्ष के लिए उत्पादन, उत्पादकता, योजना और समन्वय से जुड़े सभी पहलुओं

पर विस्तार से चर्चा की गई। सीएमडी ने सभी क्षेत्रों और विभागों से आह्वान किया कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए अंतिम तिमाही में हर संभव प्रयास पूरे संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ किए जाएँ। उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए हमें हर संभव प्रयास करना होगा। हमारी टीम पर मुझे पूरा भरोसा है। हम हर चुनौती का सामना करने और जीत हासिल करने में सक्षम हैं। उन्होंने बेहतर योजना, समयबद्ध निर्णय, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और टीमवर्क पर विशेष जोर देते हुए कहा कि संगठित प्रयास ही सतत प्रदर्शन की कुंजी है। ज्ञात रहे कि एसईसीएल को मौजूदा वित्तीय वर्ष में 212 मिलियन टन कोयला उत्पादन का टारगेट दिया गया है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति में अब अंतिम तीन माह बचे हुए हैं। इन तीन माह के 90 दिनों में 93 मिलियन टन कोयला उत्पादन की चुनौती कंपनी के सामने है। 212 मिलियन टन सालाना लक्ष्य के मुकाबले दिसंबर तक 118.98 मिलियन टन कोयला उत्पादन हो चुका है। लक्ष्य का अधिकांश कोयला कोरबा जिले की खदानों से उत्पादन किया जाना है। जीएम समन्वय बैठक में खास कर उत्पादन बढ़ाने के बिंदु पर मंथन किया गया है।

# बालको व दर्री क्षेत्र में हुआ हादसा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। गुरुवार को भाटापारा से एक परिवार कार में कोरबा आ रहा था। दर्री मुख्य मार्ग से गुजरते समय ओवरब्रिज के पास कार बेकाबू होकर सामने से आ रही कार से टकरा गई। इससे उक्त कार का एक पहिया अलग होने के साथ ही कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार में तीन लोग सवार थे, जो एयरबैग खुलने से सुरक्षित बच गए। इसी तरह एक अन्य हादसा बालको मुख्य मार्ग पर परसाभाठा के पास हुआ था, जहां तेजरफ्तार कार बेकाबू होकर खंभे से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। कार में 4 लोग सवार थे। वे सभी खुद ही बाहर निकले। इनमें से दो लोगों को चोट पहुंची थी, जिन्हें अस्पताल भेजा।

# बदली छाए रहने से बढ़ा तापमान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। दिन भर बदली छाई रही। इस वजह से अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री दर्ज किया गया। 2 डिग्री तापमान बढ़ने के बाद भी ठंड से राहत नहीं मिली।

मौसम विभाग के अनुसार अगले 5 दिन तक मौसम साफ रहेगा। 2 दिन बाद फिर से न्यूनतम तापमान में गिरावट आ सकती है। इससे ठंड और बढ़ेगी। रात के साथ ही दिन में भी कुछ क्षेत्रों में हल्का कोहरा छा रहा है। इस वजह से भी तापमान में कोई खास असर नहीं पड़ रहा है। अभी अधिकतम तापमान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। न्यूनतम तापमान जरूर 1 से 2 डिग्री गिर सकता है। पाली, पोड़ी-उपरोड़ा और कोरबा ब्लॉक के वनांचल क्षेत्रों में अभी भी न्यूनतम तापमान 9 से 10 डिग्री के बीच बना हुआ है। इसके कारण रात के समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड से बचने ग्रामीण अलाव का सहारा ले रहे हैं।

# ट्रांसपोर्टर से लूटपाट करने वाले आरोपी पकड़ाए

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के डेंगुरनाला के पास गुरुवार रात ट्रांसपोर्टर अखिलेश सिंह के साथ लूटपाट और मारपीट की घटना हुई। फॉर्च्यूनर में तोड़फोड़ की गई। आरोपियों ने चाकू की नोक पर पर्स और अन्य सामान लूट लिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अखिलेश सिंह टीपी नगर से अपना काम खत्म कर अपने घर लौट रहे थे। डेंगुरनाला के पास पहुंचते ही आधा दर्जन लोगों ने उनकी गाड़ी पर हमला कर दिया। उन्होंने गाड़ी रुकवाकर अखिलेश सिंह के साथ मारपीट की और लूट को अंजाम दिया। पीड़ित ने तत्काल सीएसईबी चौकी पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने घटना के बाद आरोपियों की तलाश शुरू की और कुछ ही घंटों के भीतर छह लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों में तीन नाबालिग हैं, जबकि तीन बालिग हैं। पूछताछ में यह भी सामने आया कि इन आरोपियों ने अखिलेश सिंह से पहले भी कई लोगों के साथ मारपीट और वाहनों में तोड़फोड़ की थी, लेकिन उन मामलों की शिकायत पुलिस में दर्ज नहीं हुई थी।

# प्रशिक्षु आईएएस अफसरों ने गेवरा खदान किया दौरा, खनन कार्यों से हुए अवगत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी द्वारा संचालित आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम (चरण-1) के शीतकालीन अध्ययन यात्रा (डब्ल्यूएसटी) के तहत 2025 बैच के आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं के समूह ने एसईसीएल की गेवरा खदान का दौरा किया। दौरा शीतकालीन अध्ययन यात्रा के वाणिज्य, उद्योग, वित्त व अर्थव्यवस्था और संसाधन क्षेत्र मॉड्यूल का हिस्सा था। जिसका उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षुओं को प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों और रणनीतिक संसाधन क्षेत्रों के कामकाज का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना है। दौरे के दौरान प्रशिक्षुओं को एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा माइसं में बड़े पैमाने पर खुले में खनन कार्यों से परिचित कराया गया। उन्हें राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में एसईसीएल की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षु अधिकारियों ने खदान स्थल का दौरा किया। बड़े पैमाने पर खुले में खनन कार्यों को प्रत्यक्ष रूप से देखा। एसईसीएल के अधिकारियों ने कोयला उत्पादन प्रक्रियाओं, खदान योजना, सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियों, उन्नत खनन प्रौद्योगिकियों की तैनाती, पर्यावरण प्रबंधन प्रथाओं और सतत खनन पहलों पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दीं। उच्च मात्रा में उत्पादन हासिल करने के साथ-साथ पारिस्थितिक जिम्मेदारी, सख्त नियामक अनुपालन, वैज्ञानिक भूमि सुधार और सतत सामुदायिक विकास सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623